सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 16 अंक - 310 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 23 अगस्त 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

केन्द्र की 20% इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल नीति को चुनौती, सुप्रीम कोर्ट में दायर हुई जनहित याचिका

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका (PIL) (पीआईएल) दाखिल की गई है, जिसमें केंद्र सरकार की इथेनॉल मिश्रण योजना को चुनौती दी गई है। इस योजना के तहत अब 20 प्रतिशत इथेनॉल मिले पेट्रोल (E20) की बिक्री अनिवार्य कर दी गई है। याचिका में कहा गया है कि उपभोक्ताओं को इथेनॉल-फ्री पेट्रोल (E0) का विकल्प दिए बिना सिर्फ E20 उपलब्ध कराना उन करोड़ों वाहन मालिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है, जिनके वाहन इस तरह के पेट्रोल के लिए उपयुक्त नहीं हैं।

यह याचिका अधिवक्ता अक्षय मल्होत्रा ने दायर की है। उनका कहना है कि बिना किसी जागरूकता अभियान चलाए इस तरह की नीति लागू करना उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत उपभोक्ताओं के जानकारी पर आधारित विकल्प के अधिकार का हनन है। याचिका में कहा गया है कि देश के करोड़ों वाहन मालिकों को यह पता ही नहीं है कि वे जो पेट्रोल इस्तेमाल कर रहे हैं, वह पूरी तरह पेट्रोल नहीं है बल्कि उसमें इथेनॉल मिलाया गया है। इतनी अहम जानकारी छुपाना उपभोक्ता की सूचित पसंद (इंफॉर्मड चॉइस) को खत्म करता है।

याचिका में यह भी कहा गया है कि E20 पेट्रोल का इस्तेमाल करने से गाड़ी की फ्यूल एफिशिएंसी (माइलेज) घटती है और गाड़ी के कई पुर्जों में जंग लगने का खतरा बढ़ जाता है। इससे उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त खर्च और सुरक्षा से जुड़े खतरे भी पैदा होते हैं। अधिवक्ता मल्होत्रा का तर्क है कि जब तक वाहन निर्माता कंपनियों को E20 के अनुकूल गाड़ियां बनाने और बाजार में उतारने का पर्याप्त समय न दिया जाए, तब तक इस नीति को लागू करना अनुचित और मनमाना कदम है।

याचिका के मुताबिक, अप्रैल 2023 से पहले बनी गाड़ियां इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल के लिए उपयुक्त नहीं हैं। यहां तक कि दो साल पुरानी गाड़ियां भी, भले ही वे बीएस-6 मानकों के अनुरूप हों, 20 प्रतिशत इथेनॉल मिश्रण के लिए सही नहीं हैं। वे अधिकतम 10 प्रतिशत इथेनॉल मिले पेट्रोल (E10) तक ही चलने लायक हैं।

किसान से लिपटा अजगर, बाल-बाल बची जान

राजनांदगांव। जिले के तुमड़ीबोड चौकी क्षेत्र के ग्राम पेंडरवानी में किसान माखनलाल साहू पर अजगर ने हमला कर दिया, लेकिन दो किसानों की मदद से किसान की जान बाल-बाल बच गई। दरअसल माखनलाल अपने खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान 14 फीट लंबे अजगर ने उन्हें लपेट लिया। अजगर ने उनके पैर और गले को जकड़ लिया। इससे वे जमीन पर गिर पड़े। पास के खेत में काम कर रहे दो किसान करण पटेल और चक्रधर कवर ने माखनलाल की चीखें सुनीं। वे तुरंत मदद के लिए पहुंचे। उनकी सूझबूझ से माखनलाल को बचा लिया गया। घायल माखनलाल को राजनांदगांव जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार अब उनकी स्थिति खतरे से बाहर है। ग्रामीणों ने अजगर को पकड़कर वन विभाग को सौंप दिया। वन विभाग ने अजगर को जंगल में छोड़ दिया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जापान प्रवास

छत्तीसगढ़ के लिए तकनीक और व्यापार नए आयाम, वर्ल्ड एक्सपो में प्रदेश की भागीदारी

जापान-दक्षिण कोरिया के दस दिवसीय दौरे पर हैं सीएम साय, पहले दिन एनटीटी लिमिटेट के सीईओ से हुई मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ओसाका वर्ल्ड एक्सपो में छत्तीसगढ़ की भागीदारी से पूर्व मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 22 अगस्त को टोक्यो प्रवास की शुरुआत आध्यात्मिकता, तकनीक और व्यापार कूटनीति के संगम के साथ की। टोक्यो पहुंचते ही मुख्यमंत्री साय ने ऐतिहासिक असाकुसा मंदिर के दर्शन किए। यह टोक्यो का सबसे प्राचीन और प्रतिष्ठित मंदिर है, जो शांति और सामर्थ्य का प्रतीक माना जाता है।

मुख्यमंत्री साय ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता की खुशहाली, समृद्धि और निरंतर प्रगति की कामना की। उन्होंने कहा कि यह मंदिर जिस प्रकार शांति और शक्ति का संदेश देता है, उसी प्रकार छत्तीसगढ़ की जनता भी छत्तीसगढ़ शांति, सामर्थ्य और समृद्धि से परिपूर्ण राज्य के रूप में सतत विकास की ओर अग्रसर राज्य बने, यह आकांक्षा करती है।

सूचना प्रौद्योगिकी में नवाचार की दिशा में कदम

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने एनटीटी लिमिटेड (NTT Ltd.) की मुख्य कार्यकारी अधिकारी कायो इतो से मुलाकात की। एनटीटी विश्व की शीर्ष आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर

और डिजिटल समाधान कंपनियों में से एक है, जिसकी वार्षिक आय 90 अरब अमेरिकी डॉलर है और जो 50 से अधिक देशों में कार्यरत है। इस बैठक में छत्तीसगढ़ में तकनीक आधारित निवेश की संभावनाओं पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने राज्य में डिजिटल इकोसिस्टम को मजबूत बनाने पर जोर दिया। एनटीटी विश्वभर में क्लाउड कम्प्यूटिंग और साइबर सुरक्षा सहित अत्याधुनिक आईटी समाधान प्रदान कर रही है और डिजिटल परिवर्तन की अग्रणी शक्ति बनी हुई है।

सांस्कृतिक रिश्तों और व्यापारिक साझेदारी को मजबूती

शाम को भारत के जापान में राजदूत सिबी जॉर्ज द्वारा आयोजित औपचारिक रात्रिभोज में मुख्यमंत्री श्री साय और प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। इस अवसर पर हुई चर्चा में इंडो-पैसिफिक देशों को उद्योग और व्यापार के माध्यम से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया गया। इसमें आर्थिक स्थिरता, व्यापारिक सुरक्षा, पारिस्थितिकीय संतुलन और औद्योगिक वृद्धि की अहम भूमिका को रेखांकित किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जापान की उन्नत तकनीक और भारत के कुशल जनशक्ति के संयोजन से व्यापक औद्योगिक सहयोग की संभावनाएँ हैं। उन्होंने सांस्कृतिक संबंधों को प्रोत्साहित करने और छत्तीसगढ़ को जापानी पर्यटकों के लिए आकर्षक पर्यटन गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करने

पर भी जोर दिया।

वैश्विक सेतु निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

मुख्यमंत्री साय और उनके प्रतिनिधिमंडल का यह पहला दिन उपलब्धियों से परिपूर्ण रहा। इसमें व्यापार, तकनीक और कूटनीति से जुड़े अहम अवसरों की खोज की गई। इन प्रयासों से छत्तीसगढ़ को तीव्र औद्योगिक विकास, डिजिटल नवाचार और वैश्विक साझेदारी के एक उभरते केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए।

सीएम ने जेट्रो को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए किया आमंत्रित

टोक्यो में जेट्रो इन्वेस्ट जेपी के नाकाजो काजुया, एंडो युजी और हारा हारुनोबू के साथ हुई बैठक

हमने आईटी, टेक्सटाइल्स, एयरोस्पेस, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ की अपार संभावनाओं पर चर्चा की। इस अवसर पर जेट्रो को प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित किया। जेट्रो (जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन) जापान और दुनिया के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देता है, जिससे कंपनियों को वैश्विक स्तर पर विस्तार करने में मदद मिलती है। संस्थान के अधिकारियों ने छत्तीसगढ़ के साथ व्यापारिक संबंधों को सशक्त करने में अपनी गहरी रुचि दिखाई।

एक करोड़ की जब्त शराब नष्ट

बस्तर। जगदलपुर में अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। जिला स्तरीय मदिरा नष्टीकरण समिति ने शुक्रवार को करीब 30,636 लीटर शराब पर बुलडोजर चलाकर नष्ट कर दिया। जिसकी कीमत 1 करोड़ से अधिक है। जानकारी के अनुसार, बकावंड थाने के ग्राम रजनगर में आयोजित इस अभियान में जिले के 13 थाने कोतवाली, बोधघाट, परपा, बकावंड, लोहण्डीगुड़ा, बड़ांजी, कोडेनार, दरभा, भानपुरी, मारडूम, चक्रधरपुर, बकावंड और बुरगुम में जब्त की गई 4398.960 लीटर देशी शराब और 26,237.070 लीटर विदेशी शराब को नष्ट किया गया। एएसपी महेश्वर नाग ने बताया कि इतनी बड़ी मात्रा में शराब रखने के कारण मालखाना भर गया था। शराब नष्टीकरण के बाद अब मालखाना में काफी जगह है, जिससे थाना का संचालन भी अच्छे से किया जा सकता है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि नष्ट की गई शराब में छत्तीसगढ़, एमपी और ओड़िशा की शराब थी।

मूसलाधार बारिश का दौर जारी, कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लगातार हो रही बारिश से गर्मी और उमस से राहत मिली है। राजधानी रायपुर, बिलासपुर और जांजगीर सहित कई इलाकों में सुबह से ही बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने आगामी 5 दिनों तक प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना जताई है। वहीं कुछ स्थानों पर गरज-चमक और वज्रपात के साथ भारी बारिश भी हो सकती है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में सक्रिय मौसम प्रणालियों के चलते प्रदेश में बारिश का सिलसिला जारी है।

मानसून द्रोणिका वर्तमान में सूरतगढ़ से होकर दीघा और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक फैली हुई है। गंगेटिक पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के ऊपर चक्रीय चक्रवात सक्रिय है, जो 7.6 किलोमीटर की ऊंचाई तक विस्तारित है। 25 अगस्त को उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है, जिससे बारिश और तेज हो सकती है।

पिछले 24 घंटों में छत्तीसगढ़ के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा, जबकि बिलासपुर संभाग के कई इलाकों में भारी बारिश दर्ज की गई। इस दौरान राज्य का सबसे अधिक तापमान दुर्ग में 31.8 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग ने अगले 3 घंटे के लिए कई जिलों में अलर्ट जारी किया है।

ऑरेंज अलर्ट

गरियाबंद, महासमुंद, बलौदा बाज़ार, जांजगीर-चांपा, रायगढ़, बिलासपुर, कोरबा, जशपुर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, सुरगुजा, सूरजपुर, कोरिया और बलरामपुर में भारी बारिश की संभावना।

यलो अलर्ट

सुकमा, दंतेवाड़ा, बीजापुर, बस्तर, नारायणपुर, कांकेर, धमतरी, राजनांदगांव, दुर्ग, बेमेतरा, मुंगेली और रायपुर समेत कई जिलों में हल्की बारिश का अनुमान।

राजधानी रायपुर का मौसम

राजधानी में दिनभर आसमान में घने बादल छाए रहने की संभावना है। गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। यहां का तापमान न्यूनतम 24 और अधिकतम 31 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।

अनिल अंबानी की आरकॉम पर 2000 करोड़ की बैंक धोखाधड़ी का अपराध दर्ज, सीबीआई ने मारे छापे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बैंक धोखाधड़ी मामले में आरकॉम और अनिल अंबानी से जुड़े परिसरों की सीबीआई तलाशी ले रही है। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने कथित बैंक धोखाधड़ी के सिलसिले में शनिवार को रिलायंस कम्युनिकेशंस के खिलाफमामला दर्ज किया और उसके परिसरों की तलाशी ली। इस धोखाधड़ी से भारतीय स्टेट बैंक को 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि एजेंसी आरकॉम और उसके प्रमोटर निदेशक अनिल अंबानी से जुड़े परिसरों की तलाशी ले रही है।

सीबीआई ने यह कार्रवाई भारतीय स्टेट बैंक की शिकायत के आधार पर की है, जिसने 13 जून को इन संस्थाओं को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत किए जाने के बाद एजेंसी से संपर्क किया था। यह कार्रवाई आरबीआई के धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन पर मास्टर निर्देशों

और बैंक के बोर्ड द्वारा अनुमोदित धोखाधड़ी के वर्गीकरण, रिपोर्टिंग और प्रबंधन नीति के अनुसार की गई थी।

वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने पिछले महीने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में कहा था, '24 जून, 2025 को बैंक ने आरबीआई को धोखाधड़ी के वर्गीकरण की सूचना दी थी और अब वह सीबीआई में शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया चल रही है।' उन्होंने बताया था कि आरकॉम में एसबीआई के ऋण जोखिम में 26 अगस्त, 2016 से प्रभावी 2,227.64 करोड़ रुपये की निधि-आधारित मूल बकाया राशि (साथ ही अर्जित ब्याज और व्यय) और 786.52 करोड़ रुपये की गैर-निधि-आधारित बैंक गारंटी शामिल है।

आरकॉम दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के तहत कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया से गुजर रही है। समाधान योजना को लेनदारों की समिति की ओर से अनुमोदित किया गया था और 6 मार्च, 2020 को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी), मुंबई में दायर किया गया था।

उन्होंने बताया था कि बैंक ने अनिल डी. अंबानी के खिलाफ आईबीसी के तहत एक व्यक्तिगत दिवाला समाधान प्रक्रिया भी शुरू की है। इसकी सुनवाई एनसीएलटी, मुंबई की ओर से की जा रही है। एसबीआई ने 10 नवंबर, 2020 को खाते और प्रमोटर अनिल डी. अंबानी को 'धोखाधड़ी' के रूप में वर्गीकृत किया था और 5 जनवरी, 2021 को सीबीआई में शिकायत दर्ज कराई थी। हालांकि, मंत्री ने कहा था कि दिल्ली हाईकोर्ट की ओर से 6 जनवरी, 2021 को जारी यथास्थिति आदेश के मद्देनजर शिकायत वापस कर दी गई थी।

इस बीच भारतीय स्टेट बैंक एवं अन्य बनाम राजेश अग्रवाल एवं अन्य मामले में 27 मार्च, 2023 को सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले में यह अनिवार्य किया गया कि ऋणदाता उधारकर्ताओं को उनके खातों को धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत करने से पहले अपना पक्ष रखने का अवसर प्रदान करें। मंत्री ने कहा कि तदनुसार, बैंक ने 2 सितंबर, 2023 को खाते में धोखाधड़ी के वर्गीकरण को उलट दिया। ऐसे में धोखाधड़ी वर्गीकरण प्रक्रिया को फिर से चलाया गया और 15 जुलाई, 2024 के आरबीआई परिपत्र के अनुसार उचित प्रक्रिया का पालन करने के बाद खाते को फिर से 'धोखाधड़ी' के रूप में वर्गीकृत किया गया।

गुजरात के धोतिया काण्ड के 29 साल

श्रीकंचनपथ

29 साल पहले गुजरात में एक जनप्रतिनिधि की धोती खींच दी गई थी। धोती खींचने वाले भी उसी की पार्टी के थे। पुलिस ने अपराध दर्ज किया। सार्वजनिक कार्यक्रम में हुई इस घटना को सिद्ध करते-करते 29 साल कब निकल गए, किसी को पता ही नहीं चला। जिनकी धोती खींची गई थी, उनका 2002 में निधन हो गया। एक आरोपी की ट्रायल के दौरान ही मौत हो गई। दूसरे आरोपी अब 95 साल के हैं। इस घटना को उस समय धोतिया काण्ड कहा गया। ये सभी नेता एक ही पार्टी के थे। दरअसल, प्रार्थी विधायक आत्माराम पटेल ने विजापुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए 1996 में शंकरसिंह वाघेला का साथ दिया था। वे वाघेला सरकार में मंत्री भी बने। वाघेला ने केशूभाई पटेल वाली भाजपा से बगावत कर अपनी पार्टी बनाई थी। आरोपी सांसद इसी बात से नाराज थे। आरोपियों में से एक अमृतलाल पटेल भाजपा के आरंभिक दिनों के सांसदों में से एक थे। उन्होंने 1984 से 1999 के बीच पांच बार मेहसाणा लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया और वाजपेयी सरकार में राज्यमंत्री भी रहे। 1999 के लोकसभा चुनाव में आत्माराम ने ही अमृतलाल को मेहसाणा सीट पर हराया था। दूसरे आरोपी मंगलदास पटेल की मृत्यु हो चुकी है। अहमदाबाद की एक सत्र अदालत ने अभियोजन की ओर से मामला वापस लेने की अर्जी को मंजूरी दे दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हेमांग कुमार पंड्या ने कहा कि यह मामला राजनीतिक दल के आंतरिक विवाद से जुड़ा हुआ है और इसे समाज के व्यापक हित में वापस लेने की अनुमति मांगी गई है। यह अभियोजन की सच्ची मंशा प्रतीत होती है। लोक अभियोजक ने अभियोजन वापसी के मामले पर विचार किया है। इसलिए, अभियोजन वापसी की अनुमति दी जाती है। यह हाल है एक ऐसी घटना का जिसे भरी जनसभा में अंजाम दिया गया। अंजाम देने वाले वरिष्ठ राजनेता थे। न सबूतों की कमी थी और न ही गवाहों की। मामले का निपटारा तभी हो जाता तो भी कोई बात थी। अब जबकि लोग उस मामले को भूल चुके थे, तब समाज के व्यापक हित में मामला वापस ले लिया गया। इससे इतना तो साबित हो ही जाता है कि सार्वजनिक मंच पर शिष्टाचार की सभी सीमाओं को लांघ जाना भी आंतरिक मामला बना रह सकता है। संभवतः यही कारण है कि लोग किसी के घरेलू मामले में नहीं पड़ते। कहीं पति पत्नी को पीट रहा होता है तो कहीं माता-पिता अपने बच्चों को पीट रहे होते हैं। कहीं कोई प्रेमी अपनी प्रेमिका को सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर मौत के घाट उतार देता है तो कहीं माता-पिता अपने बच्चों का अंत कर देते हैं। पब्लिक लोगों के आंतरिक मामलों का सम्मान करती है। उन्हें कैसे दोष दिया जा सकता है? काश इंसानों के लिए भी पीपल फॉर एनिमल जैसी कोई संस्था होती जो कम से कम हाय-तौबा तो मचा ही देती। यहां तो सभी की नेतागिरी चलती रही।

संपादकीय

ओवर टूरिज्म से कोई भी खुश नहीं

नि:स्संदेह टूरिज्म हो या ओवर टूरिज्म इससे देशों, राज्यों, नगरों या गांवों की आर्थिकी बढ़ने की संभावनाएं रहती ही है। किन्तु इसके बावजूद पूरे विश्व में सभी देश, सभी शहर या स्थानीय वासी ओवरटूरिज्म से खुश नहीं हैं। विशेषकर यूरोप में लोकप्रिय पर्यटक महानगरों नगरों में अतिशय पर्यटन का विरोध हो रहा है। भारतीय पर्यटक नगरी में पर्यटकों की भारी भीड़ से, उनके व्यवहार से, जामों से और उनके कारण बढ़ते उपभोक्ता सामग्रियों व कूड़ा कचरे के अंबार से देर-सबेर भारत भी ओवरटूरिज्म के विरोध से अछूता नहीं रहेगा। यूरोप में भी ओवर टूरिज्म का विरोध करने वाले प्रदर्शनकारियों का कहना है कि इससे घरों के किराये बढ़ गए हैं, हमारी गलियां भीड़ भरी हो गई हैं और स्थानीय संस्कृति का क्षरण हो रहा है। यही सब भारत में भी अत्याधिक पर्यटनग्रस्त प्रमुख पर्यटक नगरियों के नागरिक भी अनुभव कर रहे हैं। भारत में ओवर टूरिज्म की कीमत स्थानीय लोग जाम में फंस हर काम में अतिरिक्त समय लगा दे रहे हैं। आने-जाने में देरी से जरूरी काम भी छूट जाते हैं या उन्हें टालना पड़ता है। इससे आर्थिक हानि भी हो जाती है। तनाव अलग से पैदा होता है। ये वह लागत है जो पर्यटन से बढ़े राजस्व का ढिंढोरा पिटते सरकारों या हितधारकों के आकलन में नहीं होता है। किन्तु जिसे हर अपने गांव-शहर के ओवर टूरिज्म से पिसा स्थानीय नागरिक चुका रहा है।

> **हर काम के लिए घर से पहले निकलने और देरी से घर पहुंचने की मजबूरी रहती है। इसमें घर के कई ओवर टूरिज्म की मुख्य पहचान हम भारी जाम से करते हैं। देहरादून मसूरी जाम में इसी माह एक प्र्यटक की मौत हुई, परन्तु ऐसी घटनाएं अन्यत्र से भी सुनने को आने लगी हैं। सरकारी तौर पर ये जानकारी शिमला में जून 20 और जून 23 के बीच कुल तीन दिनों में ही साठ हजार पर्यटक वाहन नगर में प्रवेश किए थे। ये नित्य के स्थानीय परिवहन के अतिरिक्त है। इस जून 2025 में जिले के पुलिस अधिकारी के अनुसार देहरादून से मसूरी जाने को सामान्य दिनों में प्रति दिन 4 से आठ हजार वाहन होते हैं।**

इन दिनों वीकेंड में पंद्रह हजार वाहन आ रहे हैं। हालात ऐसे हो जाते हैं कि स्थानीय जन अपने ही शहर में ही कैद हो जाता है। यूरोप में जगह-जगह स्थानीय लोग 'टूरिस्ट गो होम' के नारे लग रहे हैं। ओवर टूरिज्म के खिलाफ लोग अभियान चला रहे हैं। इटल , स्पेन और पुर्तगाल में तो बहुत जोर पकड़ रहा है। 'पर्यटकों घर जाओ', 'एक पर्यटक का बढ़ना एक स्थानीय निवासी का कम होना' जैसे पोस्टर व नारे लग रहे हैं। वे कहते हैं उनका जीना दूभर हो गया है। किराये के घरों का दाम बहुत बढ़ गया है। बड़े-बड़े होटलों के खोलने व उनमें विस्तार होने का विरोध हो रहा है। इस 15 जून को बड़े प्रदर्शन हुए। बार्सीलोना की तो खबर थी कि कि प्रदर्शनकारियों ने वाटर गनों को लेकर पर्यटकों के पसंदीदा स्थलों में पर्यटकों को निशाना बनाया। बार्सीलोना प्रदर्शनों का प्रमुख केंद्र बन गया है।

उसकी जनसंख्या सोलह लाख है, जबकि गत वर्ष वहां 26 लाख टूरिस्ट आए। स्थानीय लोग कह रहे हैं, देखिए हम जहां देख रहे हैं पर्यटक ही पर्यटक दिख रहे हैं। आपका सामना उन लोगों से होता है जिनको आप नहीं जानते और जो आपको नहीं जानते हैं। प्रदर्शनकारियों के अनुसार यह असहाय होने का भाव भी पैदा कर देता है। पिछले साल यूरोप में 70 लाख पर्यटक आए थे। ग्रीस में उसकी संख्या के चार गुणा पर्यटक आए थे। लगभग सभी पर्यटक शहरों में जहां विरोध हो रहा है वहां स्थानीय जनसंख्या के सात आठ गुणा तक पर्यटक पहुंच रहे हैं। भारत में भी यात्रियों के पारम्परिक मूल्यों की दृष्टि से अनुचित आचरण व्यवहार से भी परेशानी पैदा हो रही है। शायद ही कोई चाहेगा कि टूरिस्ट या जनता उसके क्षेत्र में अशांति पैदा करे। वायनाड के एक बांध के समीप के एक गांव के किसान बांध पहुंच रील बनाने वाले पर्यटकों की उद्दंड भीड़ से परेशान हो प्रशासन से इस पर रोक लगाने की मांग की है। वे कहते हैं इससे दुर्घटनाएं बढ़ी हैं। खेतों को नुकसान हुआ है, निजता का भी हनन हुआ है। पर्यटकों के मनमाने ढंग से जहां-तहां रुकने से लगभग सभी पर्यटन मागरे पर दुर्घटनाओं के जोखिम बढ़े हैं। सेल्फी के मोहपाश में फंसकर कई पर्यटकों ने पहाड़ियों में, नदियों में और झीलों में अपना अमूल्य जीवन गंवाया है।

सड़क मागरे का जाम तो शुरुआत भर है। ओवर टूरिज्म का असर तो किसी पर्यटन नगरी में पहुंचकर खास पर्यटन स्पॉट में जाकर दिखता है। चाहे वो झील हों, झरने हों, नदी हो, पार्क हो या म्यूजियम हो। यही नहीं इससे स्थानीय निवासियों के साफ पर्यावरण और शांति में रहने के अधिकार पर चोट पहुंच रही है। इससे हजारों की संख्या में पर्यटकों के पहुंचने से, उनके सैकड़ों वाहनों के पहुंचने से न शांति रह गई न साफ हवा। प्लास्टिक का प्रदूषण अलग से है। सरकारें ये क्यों सोचती हैं कि सदैव ही स्थानीय लोग कुछ धनराशि के फायदे के लिए अपनी शांति खो देंगे। पैसा बढ़ता भी है तो बाजार के दुकानदारों का। सामान की कमी बताकर ओवर रेटिंग से भी उनका मुनाफा बढ़ता है। ज्यादा दाम पर्यटक ही नहीं चुकाते रोज उन बाजारों व शहरों में रहने वाले भी चुकाते हैं। किन्तु किसी भी शहर में कुल दुकानदारों व कुल स्थानीय निवासियों का अनुपात क्या है? विक्रेता ज्यादा हैं या खरीदार। महंगे हुए आवश्यक चीजों को होटल वाले तो ज्यादा दामों में खरीद ही लेंगे, परन्तु गृहणी तो लाभ कमाने के लिए नहीं घर की रसोई के लिए खरीदती है।

पारिस्थितिकी तंत्र व प्राकृतिक संसाधनों पर भार बढ़ना तो अलग ही विषय है। ओवर टूरिज्म का भार पूरे देश में ही हिमालयी राज्यों को यदि छोड़ भी दें तो केरल, महाराष्ट्र, तामिलनाडु में भी देखा जा रहा है। उत्तर, दक्षिण, पूरब, पश्चिम, मध्य के पहाड़ी या पठारी अधिकारिक ईकोसेन्सेटिव या हैजार्ड पोर्न घोषित जोन में भी हो रहा है। बियरिंग कैपेसिटी जानकर ओवर टूरिज्म को सस्टेनेबल टूरिज्म में बदलने के लिए यह जानना जरूरी होगा कि विशेष संवेदनशील व आपदा जोखिमों वाले पर्यटन स्थलों के बियरिंग कैपेसिटी आकलन के मानक व पद्धतियां सामान्य पर्यटक नगरों सी नहीं होंगी। पर्यटकों को समझना होगा कि सुंदर, प्राकृतिक व संवेदनशील पर्यटक स्थलों की सुंदरता बनाए रखना ज्यादा जरूरी है, जिससे लोग आगे भी आते रहें और मूल निवासियों को भी नुकसान न हो।

सिंधु की पुकार: संप्रभुता की वापसी और गौरव की बहाली

अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा संसदीय कार्य राज्यमंत्री, भारत सरकार

मानसून शब्द पूरे भारत में खुशी और गर्व का संचार करता है। यह नवाचार, नवीनीकरण और राष्ट्र के आर्थिक इंजन को तत्काल गति प्रदान करने का प्रतीक है। भारत की भौगोलिक स्थिति, प्रचुर वर्षा के साथ मिलकर, इसकी नदियों को पुनर्जीवित करती है और देशभर में जल संसाधनों का विस्तार करती है। यह प्रगति के मौसम का प्रतीक है और स्वतंत्रता दिवस समारोहों के साथ मिला दिए जाने पर देशभक्ति की एक अनूठी भावना का संचार करता है। लाल किले की प्राचीर से, प्रधानमंत्री के संबोधन ने एक बार फिर आकांक्षी नागरिकों के लिए एक ऐसा खाका पेश किया जो एक विकसित भारत के निर्माण के व्यापक लक्ष्य को साकार करने का मार्ग प्रशस्त करता है।

संसद के इस विशेष मानसून सत्र की शुरुआत में, प्रधानमंत्री ने इसे भारत का गौरवशाली सत्र बताया था। भारतीय सैनिकों का शौर्य, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता, पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के कारखानों पर निर्णायक प्रहार और सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) का स्थगन—ये सब भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति के सबूत हैं और राष्ट्रीय मानस पर एक अमिट छाप छोड़ते हैं। फिर भी, सभी मुद्दों पर खुलकर चर्चा के लिए सरकार के राजी होने के बावजूद, विपक्ष ने बाधा डालने का रास्ता चुना और व्यापक जनहित की कीमत पर विचार-विमर्श को राजनीतिक नौटंकी में सीमित कर दिया।

देश अरसे से स्वार्थ को राष्ट्रीय हित से ऊपर रखने की कांग्रेस की पुरानी आदत का बोझ ढोता चला आ रहा है। विभाजन की दुखद विभीषिका से लेकर नेहरूवादी कूटनीति की महंगी पड़ने वाली विफलताओं तक, इतिहास गवाह है कि कैसे इन फैसलों ने भारत की मूल अवधारणा को ही कमजोर कर दिया। सिंधु जल संधि (1960) पर बारीकी से गौर करने पर, जनता और देश के विकास की कीमत पर तुष्टिकरण व अति-उदारता की एक ऐसी कहानी सामने आती है, जिसने राष्ट्रीय विकास की संभावनाओं को निरंतर बाधित किया। यह घोर विडंबनापूर्ण है कि भारत के विकास से जुड़े हितों का त्याग एक ऐसे राजनीतिक आकलन से प्रेरित थे जिसने अपने नागरिकों के कल्याण से ऊपर पाकिस्तान के हितों को तरजीह दी।

मूल रूप से, विश्व बैंक की मध्यस्थता से हुई सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी), सिंधु नदी प्रणाली के जल का आवंटन पाकिस्तान के पक्ष में (80:20) करती है। सिंधु नदी प्रणाली का उद्गम मुख्य रूप से भारत में है।

इस संधि के तहत भारत को पश्चिमी में बहने वाली सिंधु, चिनाब और झेलम जैसी महत्वपूर्ण नदियों पर नियंत्रण छोड़ने के लिए बाध्य होना पड़ा, जिससे वैसे व्यापक जल संसाधन छिन गए जो पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात के विशाल शुष्क एवं सूखाग्रस्त इलाकों का कायाकल्प कर सकते थे। यदि राष्ट्रीय हितों की रक्षा की जाती, तो सुव्यवस्थित जल अवसंरचना इस इलाके के संपूर्ण विकास की तस्वीर को बेहतर बना सकती थी।

हालांकि, इस महत्वपूर्ण त्याग से व्यापक कूटनीतिक लाभ मिलने की उम्मीदें भ्रामक साबित हुईं। इस संधि के प्रक्रियात्मक संचालन ने चिंताओं को और बढ़ा दिया। इस संधि पर 19 सितंबर 1960 को हस्ताक्षर किए गए थे। लेकिन इसे दो महीने बाद, नवंबर में, संसद के समक्ष रखा गया और वह भी मात्र दो घंटे की औपचारिक चर्चा के लिए। जैसे ही इस संधि से जुड़े तथ्य सामने आए, इसके विभिन्न पहलुओं की पड़ताल के बाद प्रमुख समाचार पत्रों में छपी प्रतिकूल टिप्पणियां सुर्खियों में छायी रहीं। इतने महत्वपूर्ण समझौते के प्रति संसदीय स्तर पर बरते गए इस जल्दबाजी भरे व्यवहार ने लोकतांत्रिक निगरानी, पारदर्शिता और तत्कालीन नेतृत्व की दुर्भावनापूर्ण मंशा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए।

इस सीमित संसदीय पड़ताल के बावजूद, सिंधु जल संधि को भारतीय संसद में भारी विरोध का सामना करना पड़ा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, जो उस समय एक युवा सांसद थे, ने चेताते हुए कहा था कि प्रधानमंत्री नेहरू का यह तर्क बुनियादी रूप से त्रुटिपूर्ण है कि पाकिस्तान की अनुचित मांगों के आगे झुकने से मित्रता और सद्भावना स्थापित होगी।

संसद में 30 नवंबर 1960 को हुई बहस से पता चलता है कि सभी दलों ने इस संधि की आलोचना की थी। अधिकांश सदस्यों ने सरकार की आलोचना की थी और उस पर पाकिस्तान के सामने झुकने तथा भारतीय हितों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया था। राजस्थान से कांग्रेस सांसद हरीश चंद्र माथुर, अशोक मेहता, एसी गुहा, कम्युनिस्ट पार्टी के सांसद केटीके तंगमणि, सरदार इकबाल सिंह, बृजराज सिंह ने इस जल कूटनीति को लेकर स्पष्ट रूप से चिंताएं जाहिर की थी और इसके विफल होने से जुड़े नतीजों के बारे में अंदेशा जताया था। कुल मिलाकर, इस संधि को एकतरफा, न कि लेन-देन पर आधारित कहा जा सकता है।

इस संदर्भ में, यह विडंबना ही थी कि लोकसभा में अपने उत्तर के दौरान प्रधानमंत्री नेहरू ने माननीय सांसदों की बुद्धिमत्ता पर सवाल उठाए और उन्हें कमतर भी आंका। उन्होंने अपने जवाब में कहा कि संसदों द्वारा की गई आलोचना तथ्य और निहित विचारों से अनजान रहने पर आधारित है। उन्होंने (नेहरू) आगे कहा, मुझे इस बात का दुख है कि इतने महत्वपूर्ण मामले को एक ऐसा मामला जो न केवल वर्तमान बल्कि भविष्य से भी जुड़ा है इतने हल्के में और इतनी लापरवाही एवं संकीर्ण सोच के साथ लिया जा रहा है।

इस संधि ने भारत के हितों को कुंद कर दिया और यह पाकिस्तान के लिए एक निर्णायक उपलब्धि साबित हुआ। अयूब खान ने एक सार्वजनिक प्रसारण में स्वीकार किया था कि इस संधि की वैधता और गुण-दोष पाकिस्तान के विरुद्ध थे, लेकिन इस मामले में नेहरू की कूटनीतिक विफलता ने पाकिस्तान को बढ़त दिला दी। 4 सितंबर 1960 को रावलपिंडी में अपने प्रसारण में, अयूब खान ने कहा था, अब जो समाधान हमें मिला है, वह आदर्श नहीं है लेकिन यह सबसे अच्छा समाधान है जो हमें इन परिस्थितियों में मिल सकता था, इनमें से कई बिंदु, चाहे उनके गुण-दोष और वैधता कुछ भी हों, हमारे खिलाफ हैं। ये खुलासे आज भी राष्ट्रीय हित को गौण रखने के पीछे के मकसद पर सवाल खड़े करते हैं।

जैसा कि निरंजन डी. गुलाटी ने अपनी किताब इंडस वाटर ट्रीटी: एन एक्सरसाइज इन इंटरनेशनल मीडिएशन में लिखा है, 28 फरवरी 1961 को खुद प्रधानमंत्री नेहरू ने इस निराशा को स्वीकार करते हुए कहा था: मुझे उम्मीद थी कि यह समझौता अन्य समस्याओं के समाधान का रास्ता खोलेगा, लेकिन हम वहीं खड़े हैं जहां पहले थे। इस संधि के बाद के घटनाक्रम में आया तीखा अंतर इस समझौते की असमानता को और भी गहराई से रेखांकित करता है। नेहरू की ढिलाई और राष्ट्रीय हित को दरकिनार करने की प्रवृत्ति समय के साथ भारी पड़ती गई। फरवरी 1962 में, 'वाशिंगटन पोस्ट' को दिए एक साक्षात्कार में, प्रधानमंत्री नेहरू ने सिंधु जल संधि पर हस्ताक्षर को आगे की दिशा में एक बड़ा कदम और वास्तव में यह समझौता (कश्मीर के) क्षेत्रीय मुद्दों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण बताया।

स्पष्ट चेतावनियों के बावजूद, शांति और अंतरराष्ट्रीय स्वीकृति की चाहत में कांग्रेस नेतृत्व ने भारत की दीर्घकालिक जल सुरक्षा एवं समृद्धि के बजाय कूटनीतिक सुविधावाद को चुना। तुष्टिकरण की यह नीति कई मोर्चों पर राष्ट्रीय प्रगति के लिए हानिकारक साबित हुई। इस संधि से अपेक्षित मनोवैज्ञानिक व भावनात्मक लाभ कभी भी साकार नहीं हुए। इसके उलट, यह युद्धों और निरंतर सीमा-पार तनावों के रूप में दुर्भाग्य लेकर आई। जल-बंटवारे की इस सख्त व्यवस्था ने सूखे से लड़ने, सिंचाई व्यवस्था का विस्तार करने और संवेदनशील इलाकों में कृषि को मजबूत करने हेतु अपने प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करने की भारत की क्षमता को सीमित कर दिया। सत्ता-लोलुप शासकों ने आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के प्रति कोई जिम्मेदारी महसूस नहीं की, जिससे भारत कमजोर हो गया। वास्तव में, यह संधि भारत के लिए जल कूटनीति की विफलता और पाकिस्तान के लिए एक राजनीतिक विजय थी।

अब, मोदी सरकार इस ऐतिहासिक भूल को सुधारने की दिशा में एक और निर्णायक एवं साहसिक कदम उठा रही है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने संप्रभु अधिकारों का प्रयोग करते हुए, सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को तब तक के लिए स्थगित कर दिया है जब तक कि पाकिस्तान विश्वसनीय और अंतिम रूप से सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन देना छोड़ नहीं देता। प्रधानमंत्री मोदी जी का स्पष्ट आह्वान राष्ट्रीय हितों को कमजोर करने वालों के लिए एक कड़ी चेतावनी है: आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते; पानी और खून साथ-साथ नहीं बह सकते। यह कदम पिछली नीतियों से अलग हटकर एक साहसिक और ऐतिहासिक बदलाव का प्रतीक है। यह केवल एक कूटनीतिक पुनर्संतुलन भर नहीं है, बल्कि अपने संसाधनों और किसानों के हितों एवं संबंधित हितधारकों की आजीविका के अवसरों की रक्षा करने के भारत के संप्रभु अधिकार का एक दृढ़ रणनीतिक दावा है - जो पाकिस्तान की ओर से आने वाले लगातार सीमा पार खतरों के सामने राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत को सर्वोपरि रखता है।

सिंधु जल संधि का स्थगन कूटनीति से कहीं आगे जाता है—यह विकासशील भारतञ्च2047 के लक्ष्य को साकार करने के भारत के संकल्प को दर्शाता है। अपने जल संसाधनों पर नियंत्रण फिर से हासिल करके, भारत जलवायु के अनुकूल बुनियादी ढांचे का निर्माण कर सकता है, सिंचाई व्यवस्था को मजबूत कर सकता है और औद्योगिक विकास को बढ़ावा दे सकता है—जोकि एक विकसित राष्ट्र बनने की कुंजी है। यह निर्णय पुराने समझौतों द्वारा थोपी गई सहमतियों का अंत करता है और जल संप्रभुता को प्रगति की बुनियाद के रूप में स्थापित करता है। यह एक ऐसा साहसिक कदम है, जो आत्मनिर्भरता, स्थिरता और समावेशी विकास के मिशन के साथ गहराई से जुड़ा है।

उपराष्ट्रपति पद पर राधाकृष्णन का चुना जाना लगभग तय

मृत्युंजय दीक्षित

उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में अब सरकार और विपक्ष के प्रत्याशियों के मध्य मुकाबला होना तय हो गया है। सरकार द्वारा सीपी राधाकृष्णनको प्रत्याशी बनाए जाने के बाद इंडी ब्लाक ने भी सुप्रीम कोर्ट के सेवा निवृत्त न्यायाधीश सुदर्शन रेड्डी को अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। इस बार उपराष्ट्रपति के पद के दोनों ही प्रत्याशी एक ही प्रान्त तमिलनाडु से आते हैं।

कांग्रेस व विरोधी दलों को लगा कि अगर एनडीए प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन देश के नये उपराष्ट्रपति बन जाते हैं तो फिर भारतीय जनता पार्टी राधाकृष्णन के माध्यम से दक्षिण विशेषकर तमिलनाडु में अपनी राजनीतिक जमीन को सशक्त करने का प्रयास करेगी क्योंकि जब बीजेपी ने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को अपना प्रत्याशी बनाया था तब भाजपा को राजस्थान में राजनैतिक लाभ हुआ था और वहां उसकी सत्ता में वापसी हो गई थी। अब भाजपा ने सीपी राधाकृष्णन को अपना प्रत्याशी बनाकर तमिलनाडु की जनता व कार्यकर्ताओं को यही संदेश दिया है।

कौन है सीपी राधाकृष्णन- संसद के दोनों सदनों के वर्तमान अंकगणित के अनुसार एनडीए प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन का विजयी होना सुनिश्चित है। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष

रह चुके हैं तथा दो बार कोयंबटूर से लोकसभा सदस्य भी रह चुके हैं। सीपी राधाकृष्णन मात्र 16 वर्ष की अवस्था में ही 1974 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़कर समाज सेवा के कार्यों में लग गए और बाद में उनके राजनैतिक जीवन का आरम्भ हुआ। सीपी राधाकृष्णन कुछ समय तक झारखंड के भी राज्यपाल रहे, वह झारखण्ड राज्य के सभी जिलों का दौरा करने वाले राज्यपाल हैं। सीपी राधकृष्णन तेलंगना के राज्यपाल व पुडडुचेरी के उपराज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार भी संभाल चुके हैं। सी पी राधाकृष्णन तमिलनाडु की राजनीति में 40 वर्ष तक सक्रिय रहे जिसका प्रतिफल अब उन्हें उपराष्ट्रपति पद के रूप में मिलने जा रहा है।

वह 1996 में भाजपा तमिलनाडु के सचिव नियुक्त हुए। 2004 में संयुक्तराष्ट्र महासभा में संसदीय प्रतिनिधिमंडल के हिस्से के रूप में भाषण दिया और ताइवान की पहली संसदीय यात्रा में शामिल हुए। वह 2020 से 2022 तक केरल बीजेपी प्रभारी भी रहे। सीपी राधाकृष्णन एक बहुत अनुभवी तथा जमीनी कार्यकर्ता हैं जिन्हें इतना बड़ा उत्तरदायित्व प्राप्त हो रहा है।

सीपी राधाकृष्णन ने तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष रहते हुए सभी भारतीय नदियों को जोड़ने, आतंकवाद को मिटाने, समान नागरिक संहिता लागू करने, छुआछूत समाप्त करने और नषे के खतरे से निपटने जैसी मांगो को लेकर 93 दिनों में 19 हजार किमी लंबी रथयात्रा निकाली थी। माना जा रहा है कि भाजपा ने इस बार वैचारिक पृष्ठभूमि के नेता को प्राथमिकता दी है जिसका लाभ उसे दक्षिण की आगामी राजनीति में मिल सकता है।

चुनावी राजनीति की दृष्टि से देखा जाए तो सीपी राधाकृष्णन के ओबीसी समाज से होने का लाभ भी बीजेपी को दक्षिण राज्यों के चुनावों में मिल सकता है। भाजपा अब कांग्रेस तथा विपक्ष के खिलाफइस बात का माहौल भी बनाने का प्रयास करेगी कि विपक्ष ने ओबीसी समाज के प्रत्याशी को उपराष्ट्रपति बनने से रोकने का प्रयास किया यद्यपि बीजेपी प्रत्याशी का जीतना तय है क्योकि उपराष्ट्रपति का चुनाव जीतने के लिए 392 वोट चाहिए जबकि एनडीए के पास 422 वोट हैं।

उपराष्ट्रपति पद के लिए प्रत्याशी चयन करते समय भी कांग्रेस व विपक्ष की दोहरी मानसिकता बेनकाब हो गई है क्योकि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने रामजन्मभूमि मंदिर का फैसला सुनाने वाले एक जज को राज्यसभा में भेजा था और एक को राज्यपाल बनाया था तब विपक्ष ने रिटायर्ड हो चुके जजों की नियुक्तियों का विरोध किया था और अब स्वयं ही एक रिटायर्ड जज को प्रत्याशी बना रही है।

आत्मनिर्भरता के मंसूबे पर पानी फिरता

देश में तिलहन के घटते रकबे के चलते कुछ विशेषज्ञों ने शंका जताई है कि भारत 2030-31 तक खाद्य तेलों में आत्मनिर्भर होने के लक्ष्य को शायद ही हासिल कर पाए। खाद्य तेलों की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए सरकार ने 2030-31 तक देश में खाद्य तेलों का उत्पादन 2.54 करोड़ टन तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। लेकिन किसानों की प्राथमिकताएं बदलते जाने से इस मंसूबे पर पानी फिरता दिखलाई पड़ रहा है।

इस खरीफ सीजन में सोयाबीन और मूंगफली जैसी तिलहन फसलों की कम रकबे में बुआई हुई है। आकलन है कि इन फसलों के रकबे में इस बार करीब छह प्रतिशत की गिरावट आई है।

बीते वर्ष तिलहन फसलों की बुआई 161 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में की गई थी, जो घट कर 156 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में रह गई है। सोयाबीन की बुआई में भी छह प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

बुआई का यह रुख स्पष्ट रूप से किसानों की प्राथमिकताओं में परिवर्तन का संकेत है, जो यकीनन खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा अवरोधक होगा। भारत खाद्य तेलों की अपनी कुल खपत का करीब 60 प्रतिशत आयात करता है, और इसी आंकड़े के चलते भारत दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य तेल आयातक देश है।

बीते वर्ष भारत ने 1,41,950 करोड़ रुपये से ज्यादा का खाद्य तेल आयात किया था। 2003-04 में खाद्य तेलों का आयात 44 लाख टन था, जो अब बढ़ कर 1.6 करोड़ टन पर पहुंच चुका है। दरअसल, किसानों की प्राथमिकताएं बदलना आने वाले समय भारत में खाद्य तेल परिदृश्य पर प्रतिकूल असर डाल सकता है। किसान अब तिलहन की उपज लेने की बजाय मक्का जैसी नकदी फसल को तरजीह दे रहे हैं। इसलिए कि मक्के की उपज में लागत के मुकाबले लाभ ज्यादा है।

पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिशणकी नीति ने पिछले चार-पांच वर्षों में मक्का के दाम को करीब-करीब दोगुना कर दिया है। पशु चारा और सस्ते प्रोटीनयुक्त खाद्य उद्योग में भी मक्का की मांग तेजी से बढ़ी है। इसलिए किसान तिलहन की फसल पर मक्का की पैदावार को प्राथमिकता दे रहे हैं। बेशक, इससे तिलहन का घरेलू उत्पादन उत्तरोत्तर घट सकता है। शंका है कि मौजूदा रुझान जारी रहा तो अगले छह-सात वर्षों में भारत का खाद्य तेल आयात दो करोड़ टन से भी ज्यादा हो सकता है, और आत्मनिर्भरता के मंसूबे पर तो पानी ही फिर जाएगा।

आवारा इंसान और जानवर दोनों ही हैं समाज के लिये बड़ा खतरा

अजय कुमार, लखनऊ

भारत का बहुसंख्यक समाज भावनात्मक रूप से काफी सीधा-साधा और प्रकृति तथा पशु प्रेमी माना जाता है। यहां इंसान से ज्यादा कभी-कभी जानवरों के प्रति करुणा और श्रद्धा दिखाई जाती है। सड़कों पर बैठी गायों को देखकर लोग हाथ जोड़ लेते हैं, कुत्तों को बिस्किट खिलाने पर लोग खुद को दयालु समझते हैं और सोशल मीडिया पर हैशटैग चलाकर खुद को पशु प्रेमी साबित करते हैं। लेकिन इस चमकीली तस्वीर के पीछे एक कड़वी सच्चाई यह भी है कि कई मौकों पर यह करुणा खोखली और जिम्मेदारी से बचने का बहाना नजर आती है। भारत की सड़कों पर घूमते लाखों आवारा जानवर इस बात के गवाह हैं कि भावनाओं के नाम पर हम सिर्फ नाटक कर रहे हैं, असल में न तो उनकी देखभाल करते हैं और न ही इंसानों की सुरक्षा का ख्याल रखते हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि चाहें आवारा इंसान हो या आवारा जानवर दोनों ही समाज के लिये बड़ा खतरा हैं। ऐसे लोगों से बच के रहने में ही समाज का भला है।

जरा कल्पना कीजिए, ट्रैफिक जाम के बीच कीचड़ और धूल में सनी एक गाय प्लास्टिक की थैली चबा रही है। लोग उसे देखकर आगे निकल जाते हैं। कोई यह नहीं सोचता कि जिस थैले को वह खा रही है, उसको सड़क पर फेंकने के लिये हम ही जिम्मेदार हैं। वही थैली उसकी मौत का कारण तक बन जाती है। उसी सड़क पर कुछ ही दूरी पर दर्जनों कुत्ते कूड़े में पड़ी हड्डियों को लेकर लड़ रहे हैं। इंसान का फेंका हुआ कचरा उनके लिए जीवन का सहारा बनता है। यही तस्वीरें बाद में किसी दयालु शहरी के मोबाइल कैमरे से सोशल मीडिया पर पहुंचती हैं, लेकिन असल जिंदगी में वही लोग ऐसे जानवरों को मरने-जीने के लिए सड़क पर छोड़ देते हैं। 2019 की पशु गणना के अनुसार, भारत में करीब 50 लाख आवारा गायें हैं। यह संख्या किसी बाहरी संकट की वजह से नहीं, बल्कि हमारी अपनी लापरवाही से है। करीब 95 प्रतिशत गायें वे हैं जिन्हें डेयरी किसान दूध न देने की स्थिति में खुला छोड़ देते हैं। उनका तर्क यह है कि अगर वे इन्हें पालेंगे तो चारे का खर्च बढ़ेगा, इसलिए उन्हें शहर की सड़कों पर घूमने दिया जाता है जहां वे कूड़े में मुंह मारें और प्लास्टिक खाकर धीरे-धीरे बीमार पड़ जाएं। गायों के पेट प्लास्टिक से भर जाते हैं, उनकी आंतें खराब हो जाती हैं और सड़कें गोबर से पट जाती हैं। लेकिन जिम्मेदारी कौन ले? गाय तो

सबकी मां है, तो कोई न कोई उसकी देखभाल कर ही लेगा यही सोच सबके मन में रहती है और समस्या जस की तस बनी रहती है।

गायों की तरह ही कुत्तों की समस्या और भी भयावह है। भारत दुनिया का वह देश है जहां सबसे ज्यादा आवारा कुत्ते हैं करीब 6 करोड़। इसका मतलब यह हुआ कि भारत की 1.4 अरब आबादी में हर 23वां इंसान एक आवारा कुत्ते के साथ बंधा हुआ है। यह आंकड़ा सुनने में भले ही दिलचस्प लगे लेकिन इसके दुष्परिणाम बेहद खतरनाक हैं। हर साल भारत में करीब 37 लाख लोग कुत्तों के काटने का शिकार होते हैं। दुनिया में रेबीज से होने वाली कुल मौतों में 36 प्रतिशत अकेले भारत में होती हैं। यह भीषण आंकड़ा बताता है कि हमारी करुणा जानलेवा साबित हो रही है। हाल ही में सिर्फ दिल्ली में ही 2025 के मध्य तक 35,000 से ज्यादा कुत्ता काटने की घटनाएं और करीब 50 मौतें दर्ज की गईं। यानी यह समस्या अब केवल जानवरों की नहीं रही, यह सीधे इंसानों के जीवन के लिए खतरा बन चुकी है।संभवता इसी सब को ध्यान में रखकर सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिये सख्त आदेश जारी किया है। लेकिन इस खतरे को भांप लेने के बावजूद हमारे समाज और सरकार का रवैया ढुलमुल ही है। राजनेता गाय को वोट का साधन बना देते हैं, नगरपालिकाएं पशु नियंत्रण को गड्ढे भरने जैसे छोटे-मोटे काम की तरह लेती हैं, और शहरी अभिजात्य वर्ग कुत्तों की रील बनाकर सोशल मीडिया पर वाहवाही लूट लेता है। इस पूरे खेल में कहीं भी जिम्मेदारी नजर नहीं आती। यही कारण है कि जब सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में दिल्ली के दस लाख कुत्तों को कहीं और शिफ्ट करने की योजना बनाई तो देश भर में आक्रोश फैल गया। लोगों ने इसे नरसंहार करार दिया। निश्चित ही कुत्तों के जीवन का अधिकार है और उन्हें अमानवीय आश्रयों में डालना सही नहीं, लेकिन सवाल यह है कि इस समस्या का समाधान कौन देगा? क्या सिर्फ गुस्सा दिखाकर या मोमबत्ती जलाकर समस्या खत्म हो जाएगी?

कुत्तों की आबादी का गणित डरावना है। एक असंक्रमित मादा कुत्ता, अगर लगातार छह साल तक बच्चे पैदा करे, तो उससे सैकड़ों पिल्ले पैदा हो सकते हैं। यानी अगर अभी कदम न उठाया गया तो आने वाले वर्षों में भारत की सड़कें कुत्तों से भर जाएंगी। इसे रोकने का उपाय केवल संगठित नसबंदी और टीकाकरण अभियान ही है। हमें यह समझना होगा कि यह उतना ही जरूरी है जितना कभी पोलियो का उन्मूलन था। जब पोलियो को खत्म किया जा सकता है तो आवारा पशुओं की समस्या भी सुलझाई जा सकती है, बशर्ते कि नीतियों में कठोरता और जवाबदेही दोनों हों। समाधान की बात करें तो गायों के लिए जरूरी है कि हर मवेशी का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य हो। अगर कोई किसान उन्हें सड़क पर छोड़ता है तो उस पर जुर्माना लगे और गाय जब्त हो। सब्सिडी वाली गौशालाओं को डिजिटल ट्रैकिंग से जोड़ा जाए और उन्हें फंडिंग सीधे उस आधार पर मिले कि कितनी गायों की देखभाल वे कर रहे हैं। यह पैसा किसी राजनेता की जेब में नहीं जाना चाहिए, बल्कि सीधे उस गौशाला में पहुंचे। इसी तरह कुत्तों के लिए सामूहिक नसबंदी और टीकाकरण कार्यक्रम शुरू करना होगा। हर जिले में कुत्ता नियंत्रण बोर्ड बने जिसका वार्षिक ऑडिट हो और अधिकारियों की जवाबदेही तय हो।

इसके लिए धन कहां से आएगा? सवाल वाजिब है लेकिन उसका जवाब भी उतना ही आसान। जब मूर्तियों, रैलियों और चुनावी वादों पर अरबों रुपये खर्च किए जा सकते हैं तो जानवरों और इंसानों की सुरक्षा पर क्यों नहीं? हर परिवार से छोटा-सा डॉग टैक्स लिया जा सकता है, सांसद निधि और विधायक निधि का एक हिस्सा इस दिशा में खर्च किया जा सकता है, कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के जरिए धन जुटाया जा सकता है। इस अभियान पर जो पैसा आज खर्च करेंगे, वह भविष्य में हजारों-लाखों समस्याओं से बचाएगा।जयपुर मॉडल इसका सफल उदाहरण है। 1994 में नगर निगम और एक एनजीओ ने मिलकर इसे शुरू किया था। इसमें कुत्तों को पकड़ा जाता है, उनकी नसबंदी और टीकाकरण किया जाता है और फिर उन्हें छोड़ा जाता है। इससे कुत्तों की आबादी नियंत्रित होती है और रेबीज के मामले घटते हैं। प्रति कुत्ते पर 800 से 2,200 रुपये का खर्च आता है जो नगर निगम और जनता की ओर से दिए गए दान से पूरा होता है। अगर यही मॉडल पूरे देश में अपनाया जाए, डिजिटल ट्रैकिंग से जोड़ा जाए और इसे महापौरों व जिला कलेक्टरों की प्रदर्शन रिपोर्ट का हिस्सा बनाया जाए, तो समस्या पर काबू पाया जा सकता है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

बीएसपी के सीएसआर द्वारा ग्राम पुसेवाड़ा में चिकित्सा शिविर का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्वाधान में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों एवं खदान क्षेत्रों में किया जाता है। इसी के तहत 21 अगस्त 2025 को दुल्की माइन्स के समीप स्थित ग्राम पुसेवाड़ा में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। ग्राम पुसेवाड़ा में आयोजित चिकित्सा शिविर में कुल 51 लोगों की जांच करके उनको दवाई वितरण किया गया। प्रात: 10 बजे से प्रारंभ हुए शिविर में सामान्य जांच, शुगर, बीपी जांच के अतिरिक्त नि:शुल्क दवाएं भी प्रदान की गई। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की नि:शुल्क सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है। इसका उद्देश्य दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए निरन्तर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, संयंत्र के परिधीय क्षेत्रों तथा खनि नगरियों में किया जा रहा है।

बीएसपी में कार्यपालक निदेशक ट्रॉफी कार्यकौशल प्रतियोगिता 4 सितम्बर से

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा गैर-कार्यपालक कर्मियों के लिए कार्यपालक निदेशक ट्रॉफी कार्यकौशल प्रतियोगिता 2025-26 के आयोजन की घोषणा की गई। यह प्रतियोगिता 4 से 13 सितम्बर 2025 तक मानव संसाधन विकास केन्द्र वर्कशॉप में संपन्न होगी। इस अवधि में 7 सितम्बर अवकाश रहेगा। प्रतियोगिता का उद्देश्य भिलाई इस्पात संयंत्र के कर्मियों की तकनीकी दक्षता, प्रतिभा एवं नवाचार को पहचानना और उन्हें प्रोत्साहित करना है, ताकि वे क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर सकें। यह प्रतियोगिता कारपेंटरी, कंप्यूटर, कंप्यूटर , इलेक्ट्रिशियन, फिटिंग, हाइड्रोलिक्स, मशीनिंग, मटेरियल हैंडलिंग, पी.एल.सी., टर्निंग तथा वेल्डिंग जैसे कुल ग्यारह तकनीकी ट्रेडों में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता के संयोजक के रूप में महाप्रबंधक प्रभारी संजीव कुमार श्रीवास्तव को नामित किया गया है। इनके साथ महाप्रबंधक मुकुल सहारिया तथा सहायक प्रबंधक सैफुद्दीन फज़ली, सेक्शन एसोसिएट प्रवीण कुमार एवं सरजेश कुमार समन्वयक होंगे। प्रतियोगिता के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया बीएसपी इंट्रानेट होमपेज पर आरम्भ हो चुकी है, जो 31 अगस्त 2025 तक जारी रहेगी। विभागाध्यक्षों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने कर्मियों को भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करें और उन्हें इसमें भाग लेने के लिए सहयोग करने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। निष्पक्षता एवं प्रेरणा को ध्यान में रखते हुए प्रतियोगिता के लिए विस्तृत प्रावधान किए गए हैं।

विदेशी उत्पादों को नकारें, स्वदेशी अपनाएं-अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव दुर्ग में स्वदेशी सुरक्षा एवं स्वावलंबन अभियान कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने इस दौरान पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री साव ने कार्यक्रम में कोका-कोला, पेप्सी जैसी विदेशी पेय सामग्रियों को प्रतीकात्मक रूप से नाली में बहाकर विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार का आह्वान किया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम में कहा कि यह अभियान देश के आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक पहचान को जागृत करने का माध्यम है। भारत को विश्व गुरु और सोने की चिड़िया हमारे संस्कारों और स्वभाव के कारण कहा जाता है। स्वदेशी केवल उत्पादों का चयन नहीं, बल्कि हमारी आत्मा से जुड़ा विषय है। हम हजारों वर्षों से दुनिया को शिक्षा, आयुर्वेद, विज्ञान और संस्कृति देते आए हैं। यही हमारे संस्कार हैं। उन्होंने 'सर्वे भवन्तु सुखिन:' के विचार की महत्ता बताते हुए कहा कि आज भी दुनिया को यदि कोई देश अपना परिवार मानता है, तो वह केवल भारत है।

उप मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह भारत की शक्ति और सामर्थ्य का प्रमाण है। आज भारत आत्मनिर्भर बन रहा है और पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है। उन्होंने जापान का उदाहरण देते हुए कहा कि यदि वहां का हर नागरिक आत्मसम्मान के साथ खड़ा हो सकता है, तो भारत जैसे विशाल देश को भी स्वदेशी अपनाकर आत्मनिर्भर बनना चाहिए। श्री साव ने कहा कि जब हमारे सैनिक सीमा पर माइनस डिग्री तापमान में देश की रक्षा कर रहे हैं, तो हमें भी अपने घरों में विदेशी वस्तुओं को प्रवेश न देकर देश की आंतरिक सुरक्षा में योगदान देना चाहिए। हमारे खान-पान, रहन-सहन पर विदेशी वस्तुओं ने मानसिक आक्रमण कर दिया है, जिसे हमें पहचानने की आवश्यकता है। उन्होंने दीपावली पर स्थानीय कुम्हारों के बनाए दीयों और गणेश की मूर्तियों को प्राथमिकता देने की अपील की और कहा कि स्थानीय कलाकारों से खरीदी गई वस्तुएं न केवल हमारी संस्कृति को जीवित रखेंगी, बल्कि उनके परिवारों का भरण-पोषण भी करेंगी।

उप मुख्यमंत्री साव ने महात्मा गांधी के स्वदेशी आंदोलन की भूमिका को याद किया और कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में स्वदेशी आंदोलन की बड़ी भूमिका रही। आज भी यही भावना देश को सशक्त, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बना सकती है। तन स्वदेशी, मन स्वदेशी, संस्कार स्वदेशी इन्हीं विचारों के साथ आगे बढ़ने को कहा। कार्यक्रम में विधायक ललित चंद्राकर, पूर्व मंत्री रमशीला साहू, जितेन्द्र वर्मा, सुरेन्द्र कौशिक, दिनेश पटेल और स्वदेशी सुरक्षा स्वावलंबन के संयोजक जगदीप पटेल सहित व्यापारीगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि व नगरवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा मचांदूर शासकीय माध्यमिक विद्यालय को मंच का हस्तांतरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) विभाग द्वारा दुर्ग जिले के संकुल केन्द्र मचांदूर के शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय में नव-निर्मित 'स्कूल मंच' का विधिवत हस्तांतरण 21 अगस्त 2025 को आयोजित समारोह में किया गया। इस अवसर के मुख्य अतिथि महाप्रबंधक (सीएसआर) शिवराजन रहे, जिन्होंने उद्घाटन पट्टिका का अनावरण कर एवं विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सुश्री पूर्णिमा साहू को प्रमाणपत्र प्रदान कर इस मंच को विद्यालय को सौंपा।

मुख्य अतिथि शिवराजन ने अपने उद्बोधन में बताया कि दुर्ग जिले के अंतिम गाँव मचांदूर की आवश्यकता को देखते हुए मंच निर्माण की प्रक्रिया ग्रामीण अभियांत्रिक विभाग (आरईएस) द्वारा पूरी की गई है। उन्होंने कहा कि यदि यह गाँव समृद्ध होगा तो आसपास के गाँव भी समृद्ध होंगे। उन्होंने विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर शाला प्रबंधन समिति (एसएमसी) अध्यक्ष पार्वती देवांगन, प्रधानाचार्य बी.एन. चौधरी, उप सरपंच दुष्यंत साहू, शासकीय प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका अंजू गोस्वामी, वरिष्ठ व्याख्याता रात्रे, उप महाप्रबंधक (सीएसआर) अपर्णा चंद्रा, उप प्रबंधक (सीएसआर) के.के. वर्मा, सहायक (सीएसआर) आशुतोष सोनी सहित विद्यालय के शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विद्यालय के 'बाल कैबिनेट के प्रधानमंत्री' मास्टर कुलदीप ने मंच के उपयोगों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि यह मंच सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रार्थना एवं सभा, सामूहिक गतिविधियों, कठोर मौसम में छाया तथा छात्रों में आत्मविश्वास और सार्वजनिक प्रस्तुति के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

शिक्षक मिलिंद चंद्रा ने बताया कि छात्रों ने सामाजिक विज्ञान के पाठ्यक्रम में भिलाई इस्पात संयंत्र के योगदान का अध्ययन किया है और अपने ही विद्यालय में सीएसआर के अंतर्गत 1994-95 में दो कमरों का निर्माण, 1996-97 में एवी हॉल, 2015 में बालिका शौचालय और अब 2024-25 में मंच का निर्माण देखना उनके लिए गर्व की बात है। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक मिलिंद चंद्रा ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन माध्यमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका पूर्णिमा साहू द्वारा प्रस्तुत किया गया।

नवनियुक्त शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव का धमधा, साजा, बेमेतरा में भव्य स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नवनियुक्त स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव आज गंडई, धमधा, साजा, बेमेतरा एवं कवर्धा प्रवास पर पहुँचे। उनके स्वागत में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साह और उमंग के साथ बाजे-गाजे एवं ढोल-नगाड़ों से भव्य स्वागत किया। स्वागत में भाजपा के सभी मंडलों के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए।

प्रदेश सरकार में केबिनेट मंत्री में शामिल किये जाने के बाद मंत्री गजेन्द्र यादव धमधा के पास राखी गांव अपने मामा मामी से मिलने पहुँचे जहां पूरे परिवार ने आरती लेकर उन्हें मंगल आशीष दिए।

प्रवास के दौरान शिक्षा मंत्री ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर क्षेत्र के शासकीय विद्यालयों एवं शिक्षकों की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने शीघ्र ही शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने हेतु ठोस पहल करने का आश्वासन दिया।

बेमेतरा प्रवास के दौरान सिग्नल चौक पर क्षेत्रीय विधायक दीपेश साहू, प्रदेश प्रकोष्ठ संयोजक अवधेश चंदेल, जिलाध्यक्ष अजय साहू, नगर पंचायत अध्यक्ष विजय सिन्हा, रजक बोर्ड अध्यक्ष प्रहलाद रजक सहित बेमेतरा भाजपा परिवारजन ने मंत्री श्री यादव का आत्मीय स्वागत किया। इसके उपरांत बेमेतरा सर्किट हाउस में शिक्षा मंत्री ने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से आत्मीय भेंट की। इस अवसर पर साजा विधायक ईश्वर साहू, बेमेतरा विधायक दीपेश साहू सहित भाजपा बेमेतरा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मंत्री श्री यादव का हार्दिक स्वागत किया।

नेहरू नगर ईस्ट में ओम् वरिष्ठ नागरिक संघ का हुआ गठन, अनंतराम वर्मा बने अध्यक्ष

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नेहरू नगर ईस्ट, वार्ड -4 भिलाई में गणेश उद्यान में वरिष्ठ नागरिकों की बैठक संपन्न हुई। बैठक में भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ के अध्यक्ष घनश्याम कुमार देवांगन, निवर्तमान अध्यक्ष पुरुषोत्तम साहू एवं महासचिव गजानंद साहू विशेष रूप से उपस्थित थे। वरिष्ठ नागरिकों की गतिविधियों को संचालित करने के लिए बैठक में सर्वसम्मति से ओम् वरिष्ठ नागरिक संघ का गठन किया गया। प्रबंधकारिणी में वरिष्ठ नागरिक अनंतराम वर्मा अध्यक्ष चुने गए। अन्य पदाधिकारियों में श्रीमती तुलसीवृंदा देवांगन एवं डब्ल्यू.जी. समर्थ उपाध्यक्ष, जीवन वर्मा सचिव, सुरेश कुमार मनसाना कोषाध्यक्ष, प्रेमलाल साहू संयुक्त सचिव, दुबेलाल सेन प्रचार सचिव तथा आर.के.साहू, पवन कुमार पांडेय, श्रीमती इंद्रकांति अग्रवाल, श्रीमती उर्मिला साहू, श्रीमती संध्या चंद्राकर, लेखराम वर्मा, आर.के. त्रिपाठी, के.के.बघेल, मंथिर लाल साहू, देवव्रत देवांगन एवं भी. आर. कलिहारी कार्यकारिणी सदस्य चुने गए। बैठक को संबोधित करते हुए महासंघ के अध्यक्ष घनश्याम देवांगन ने कहा कि नवगठित समिति के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों की खुशहाली एवं कल्याण के लिए रचनात्मक गतिविधियों का संचालन करें और अधिक से अधिक वरिष्ठ नागरिकों को समिति से जोड़ें। बैठक में सर्वसम्मति से नवगठित ओम् वरिष्ठ नागरिक मंच को भिलाई वरिष्ठ नागरिक महासंघ से संबद्ध करने का निर्णय लिया गया।

भिलाई से दिल्ली गए प्रसिद्ध गायक संजय को यूनिसेफ ने दी विशिष्ट मान्यता

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट और स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) नई दिल्ली में महत्वपूर्ण पदों पर रहे प्रसिद्ध गायक, संगीतकार एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कलाकार संजय सिंह को संयुक्त राष्ट्र संघ के संगठन यूनिसेफ ने विशिष्ट मान्यता प्रमाण पत्र एवं शील्ड से सम्मानित किया है। यह सम्मान उन्हें नई दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित एक विशेष समारोह में प्रदान किया गया।

संजय सिंह न केवल मुख्यधारा की गायकी में सक्रिय हैं, बल्कि समय-समय पर सामाजिक विषयों पर आधारित गीतों के माध्यम से जन-जागरूकता फैलाते रहे हैं। यूनिसेफ़ द्वारा यह सम्मान उन्हें एक विशेष संगीत वीडियो के लिए प्रदान किया गया, जो दिव्यांग बच्चों पर आधारित है। इस भावनात्मक और प्रेरणादायक वीडियो में प्रतिभाशाली दिव्यांग बच्चों ने भाग लिया है। इसमें संगीत, स्वर एवं निर्देशन खुद संजय सिंह का है। ज्ञात हो कि संजय सिंह, सेल के कॉर्पोरेट कार्यालय, दिल्ली से सेवानिवृत्त होने से पूर्व लगभग 26 वर्षों तक भिलाई स्टील प्लांट में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत रहे हैं।

संजय सिंह ने सोनी टीवी, जी टीवी और दूरदर्शन जैसे प्रतिष्ठित चैनलों पर प्रसारित कई लोकप्रिय रियलिटी शोज में विजेता बनकर अपनी खास पहचान बनाई है। आईआईटी के पूर्व छात्र होने के साथ-साथ वे भारत सरकार के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठानों में भी उच्च पदों पर कार्यरत रहे। इसके पश्चात उन्होंने पूर्णकालिक रूप से संगीत के क्षेत्र को अपना जीवन समर्पित किया।

संजय सिंह ने मुंबई एवं वाराणसी के ख्यातिप्राप्त गुरुओं से शास्त्रीय गायन और रिकॉर्डिंग तकनीकों की विधिवत शिक्षा प्राप्त की है। संजय एक कुशल गायक, संगीतकार, अरेन्जर और वाद्य विज्ञ हैं। उनके कई गीत प्रसिद्ध संगीत कंपनियों जैसे टी-सीरीज़ द्वारा जारी किए जा चुके हैं।

संजय सिंह अब तक 200 से अधिक स्टेज शो भारत और विदेशों में कर चुके हैं। इनमें कृषि मंत्रालय, इस्पात मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, तथा राजस्थान, मध्य प्रदेश, और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल हैं। संजय सिंह संगीत की अनेक विधाओं जैसे—बॉलीवुड गीत, भजन, ग़ज़ल, देशभक्ति गीत, सूफ़ी संगीत, कबीर वाणी, लोक संगीत एवं पॉप म्यूजिक में दक्षता रखते हैं।

बीएसपी के सीओ एवं सीसीडी में संविदा कर्मियों को 'सुरक्षा मित्र सम्मान'

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग (सीओ एवं सीसीडी) में 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (सीओ एवं सीसीडी) तुलाराम बेहरा के मुख्य आथित्य में विभाग द्वारा 50 संविदा कर्मचारियों को 'सुरक्षा मित्र सम्मान' सम्मानित किया गया। इन पुरस्कृत संविदा कर्मियों ने कार्यस्थल पर सुरक्षा, हाउसकीपिंग, अनुशासन और कल्याण में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

उल्लेखनीय है कि 'सुरक्षा मित्र सम्मान' योजना भिलाई इस्पात संयंत्र द्वारा वर्ष 2024 में प्रारंभ की गई थी, ताकि संविदा कर्मचारियों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता और अनुशासन को प्रोत्साहित किया जा सके। इस वर्ष विजेताओं का चयन

सुरक्षा प्रश्नोत्तरी, अग्निशामक यंत्र प्रयोग प्रतियोगिता और सुरक्षा गीत प्रतियोगिता जैसे कार्यक्रमों के आधार पर किया गया। विजेताओं को मुख्य अतिथि तुलाराम बेहरा ने सेल-सेलम द्वारा निर्मित इस्पात उत्पादों से बने स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर विभाग के वरिष्ठ अधिकारी जे. सिंह, एम.एस. नाइक एवं एस.बी. पाटिल भी उपस्थित थे। गणमान्य अतिथियों ने विजेताओं को बधाई देते हुए इस पहल की सराहना की और कहा कि ऐसी योजनाएँ कार्यस्थल पर सुरक्षा संस्कृति को और सशक्त बनाती हैं।

कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी, यूनियन प्रतिनिधि, नियमित एवं संविदा कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम का समन्वय महाप्रबंधक (सीओ सीसीडी) बी.सी. मंडल, सहायक महाप्रबंधक (सीओ सीसीडी) प्रशांत कुमार एवं प्रवीण शर्मा (कार्मिक) ने किया, जबकि संचालन का दायित्व प्रदीप मेनन, आशुतोष प्रहान एवं संतोष प्रस्वर ने निभाया।

मुख्य अतिथि तुलाराम बेहरा ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराकर समारोह की शुरुआत की। इसके पश्चात सभी ने मिलकर राष्ट्रगान गाया। इस अवसर पर विभाग के श्री राकेश कुमार एवं हेमराज के निर्देशन में सुरक्षा पर केंद्रित एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया।

बीएसपी के प्लेट मिल विभाग में महिला संविदा श्रमिकों हेतु सुरक्षा जागरूकता

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के प्लेट मिल विभाग द्वारा मानव संसाधन- मिल्स ज़ोन-3 के सहयोग से 20 अगस्त 2025 को महिला संविदा श्रमिकों के लिए एक विशेष सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल पर शारीरिक एवं मानसिक सुरक्षा के साथ-साथ महिलाओं से जुड़े कानूनी अधिकारों और एक सुरक्षित, सहयोगी कार्य वातावरण के महत्व पर जागरूकता बढ़ाना था। यह कार्यक्रम मुख्य महाप्रबंधक कार्तिकेय बेहेरा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक सी. पद्मनाभन एवं महाप्रबंधक संजय त्रिपाठी सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन) तन्मयी मारेपल्ली ने प्रतिभागियों को मानसिक स्वास्थ्य, कार्यस्थल पर मनोवैज्ञानिक सुरक्षा, महिला श्रमिकों से संबंधित श्रम कानून, पॉश अधिनियम, शारीरिक खतरों एवं उनसे बचाव के उपायों के विषय में विस्तार से जानकारी दी। वहीं सहायक प्रबंधक दीपक पर्या ने औद्योगिक क्षेत्र में शारीरिक सुरक्षा से जुड़े अहम पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने सुरक्षा परिधान एवं उपकरणों के सही उपयोग, संयंत्र परिसर में गति सीमा का पालन, खतरनाक गैसों से सुरक्षा तथा सुरक्षा उल्लंघनों पर संयंत्र की शून्य सहनशीलता नीति के विषय में विस्तार से चर्चा की।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

अदाणी पॉवर लिमिटेड ने मूरा में 40 विद्यालयों को दी खेल सामग्री

रायपुर। अदाणी पॉवर लिमिटेड, रायखेड़ा ने सीएसआर पहल के तहत शिक्षण सामग्री और पौध वितरण किया गया। यह आयोजन छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के तिल्दा विकासखंड के ग्राम मूरा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय परिसर में हुआ। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण विद्यार्थियों को उन्नत शैक्षिक एवं खेल संसाधन उपलब्ध कराना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

इस दौरान क्षेत्र के 40 विद्यालयों के लिए 75 इंच का सैमसंग इंटरैक्टिव पैनल प्रदान किया गया। साथ ही आधुनिक साउंड सिस्टम, क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, कैरम और बैडमिंटन जैसी खेल सामग्रियों से युक्त स्पोर्ट्स किट दिया। नवोदय प्रवेश परीक्षा हेतु विशेष पुस्तकें और बैग, तथा उत्थान डायरी और नोटबुक्स प्रदान की गईं। इस पहल से मूरा ग्राम के 300 से अधिक छात्रों और आसपास के 40 विद्यालयों के 4500 से अधिक छात्र-छात्राओं को लाभ मिलेगा। इसके अतिरिक्त अदाणी फाउंडेशन ने 16 अंगीकृत ग्रामों में पर्यावरण संरक्षण पखवाड़ा आयोजित किया था। इस दौरान 5000 विद्यार्थियों को दो-दो फलदार पौधे वितरित कर घरों और आंगनों में रोपण कराया गया। इसी पहल की अंतिम कड़ी के रूप में मूरा में 400 विद्यार्थियों को दो-दो फलदार पौधे दिए गए ।

विद्यालय परिसर में सुधाकर टंडन, जी. मुरलीधरन एवं गोपाल सिंह देवोरा के कर-कमलों से सामूहिक वृक्षारोपण सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में एपीएल-रायपुर और अदाणी फाउंडेशन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान छात्रोंने सरस्वती वंदना और छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ की, जिन्हें अतिथियों ने सराहा। ग्राम पंचायत मूरा की सरपंच श्रीमती कंचन गायकवाड़ ने अदाणी फाउंडेशन का आभार व्यक्त किया और बच्चों के शैक्षणिक विकास हेतु भविष्य में भी सहयोग की अपेक्षा जताई। अंत में सरपंच एवं पंचायत प्रतिनिधियों ने अतिथियों को शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया।

25 उप निरीक्षक बने निरीक्षक

रायपुर। 25 उप निरीक्षकों (एसआई) को वर्ष 2025 की योग्यता सूची के आधार पर निरीक्षक (टीआई) के पद पर पदोन्नति किया गया है। डीजीपी अरुण देव गौतम के आदेश अनुसार इन अधिकारियों को फ्लिहाल अस्थायी रूप से उनके वर्तमान पदस्थापना स्थल पर कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। नई पदस्थापना के संबंध में अलग से आदेश जारी किए जाएंगे। यदि किसी पदाधिकारी के खिलाफकोई आपराधिक मामला, विभागीय जांच या अन्य गंभीर शिकायत लंबित है, तो उसकी पदोन्नति पर रोक लगाई जा सकती है।

1 सितंबर से आयुष्मान कार्ड के जरिए नहीं करा सकेंगे ईलाज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कैशलेश इलाज सेवा को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) ने ऐलान किया है कि, अगले महीने की शुरुआत यानी एक सितम्बर से प्रदेश के प्राइवेट अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड से कैशलेश इलाज की सुविधा

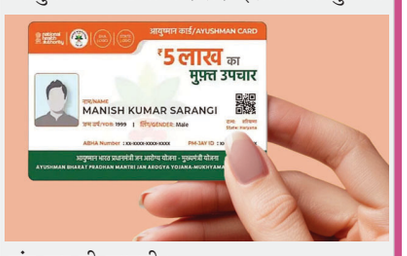

बंद कर दी जाएगी।

एसोसिएशन ने बताया है कि, यह फैसला लंबे समय से अस्पतालों को योजना के तहत किए गए इलाज का भुगतान नहीं मिलने के कारण लिया गया है। बताया गया है कि, करीब छह महीने से अस्पतालों को आयुष्मान के तहत किये गए इलाज के खर्च का भुगतान नहीं किया गया। इसकी वजह से अब प्राइवेट अस्पतालों ने कैशलेश इलाज सेवा जारी रखने में असमर्थता जताई है। वही इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के इस फैसले का असर राज्य के उन गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर देखने को मिलेगा जो आयुष्मान कार्ड से कैशलेश इलाज का फायदा उठाते रहे है। उम्मीद जताई जा रही है कि, सरकार इस संबंध में जल्द आईएमए से चर्चा कर समाधान निकालेगी।

नगर निगम मुख्यालय में प्लानिंग बैठक में तय हुआ विकास का खाका, रायपुर पश्चिम के वार्डों को मिलेगा नया स्वरूप

विधायक मूणत बोले – सटीक प्लानिंग के लिए जमीनी हकीकत जरूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पश्चिम विधानसभा के वार्डों के सुनियोजित और समग्र विकास के लिए नगर निगम मुख्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रायपुर पश्चिम के विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत ने की। बैठक में महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकांत राठौर, निगम आयुक्त विश्वदीप, अपर आयुक्त उमाशंकर अग्रवाल, जोन आयुक्त व निगम अधिकारी मौजूद रहे।

वास्तविक जरूरतों पर केन्द्रित होगा विकास

बैठक में सबसे पहले जोन क्रमांक 8 के अंतर्गत आने वाले वार्डों का विस्तृत एक्शन प्लान प्रस्तुत किया गया। इसमें क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था, सड़कें, भूमि उपयोग, तालाबों की स्थिति, स्वच्छता व्यवस्था, वेस्ट

महापौर ने कहा - हर वार्ड को मिलेगा स्पष्ट विजन

मैनेजमेंट और नालियों की संरचना जैसे मुद्दों को रेखांकित किया गया। प्रस्तुतिकरण के दौरान बताया गया कि वीर सावरकर वार्ड (वार्ड 1) लगभग 9 किलोमीटर में फैला है, जहां वर्तमान में 9000 मकान हैं और भविष्य में यह संख्या 13000 तक पहुंच सकती है। क्षेत्र में 33000 मीटर नालियों का निर्माण हो चुका है, जबकि 16000 मीटर अतिरिक्त नालियों की आवश्यकता है। साथ ही, प्लास्टिक कचरा, लाइटिंग, ऑटो स्टैंड, पब्लिक लाइब्रेरी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जैसी सुविधाओं की जरूरत पर भी ध्यान दिया गया।

विधायक मूणत का सुझाव-डिटेल सर्वे से मिलेगी सटीक दिशा

विधायक राजेश मूणत ने विकास योजना को और अधिक सटीक एवं कारगर बनाने के लिए सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि वार्ड की वर्तमान स्थिति का विस्तृत सर्वे आवश्यक है, जिसमें सड़कों, नालियों, लाइट पोल्स, स्कूलों, आंगनबाड़ियों, खेल मैदानों और भूमि के उपयोग की पूरी जानकारी हो। उन्होंने यह भी कहा कि प्लानिंग का आधार केवल डिमांड नहीं, बल्कि फैक्ट और जरूरत आधारित होना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि एक वार्ड को आदर्श मॉडल के रूप में विकसित कर पायलट प्रोजेक्ट की तरह लागू किया जाए।

महापौर ने दिया पूरा समर्थन-फील्ड सर्वे पर जोर

महापौर मीनल चौबे ने विधायक के विचारों से सहमति जताते हुए कहा कि प्लानिंग की प्रक्रिया गूगल मैप या ऑफिस डेस्क तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि फील्ड पर आधारित वास्तविक आंकड़ों के साथ होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सभी वार्डों का भौगोलिक व सामाजिक सर्वेक्षण कर, एक्शन प्लान को जमीनी हकीकत के अनुसार तैयार करें।

एक्शन प्लान को मिलेगी नई दिशा

बैठक में तय किया गया कि रायपुर पश्चिम के प्रत्येक वार्ड का व्यवस्थित आंकलन कर एक समग्र विकास योजना तैयार की जाएगी, जिससे नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं समय पर और सटीक तरीके से मिल सकें।

अधिकारियों-कर्मचारियों ने बच्चों के साथ मनाया अपना जन्मदिन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना तथा न्योता भोज के तहत जिला प्रशासन की अभिनव पहल प्रोजेक्ट आओ बांटे खुशियां के तहत जिला रायपुर में विभिन विभाग में कार्यरत शासकीय अधिकरियों एवं कर्मचारियों को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी जा रही है एवं जन्मदिन आंगनबाड़ी या स्कूल में मनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी कड़ी में स्थल सहायक अश्वनी कुमार साहू, लेक्चरर प्रमोद कुमार साहू ने बच्चों के साथ केक काटकर और पौष्टिक आहार के साथ अपना जन्मदिन मनाया। प्रोजेक्ट के तहत कलेक्टर डॉ गौरव सिंह ने 53 कर्मचारियों को एसएमएस द्वारा ई-कार्ड के माध्यम से जन्मदिन की पूर्व संध्या बधाई संदेश भेजा एवं नजदीकी आंगनबाड़ी अथवा स्कूल की जानकारी दी गई।

सोच अच्छी हो और दिशा सही हो तो सफलता अवश्य मिलती है : डॉ. लाल उमेद सिंह

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अर्पण दिव्यांग पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में रायपुर एसएसपी डॉ.लाल उमेद सिंह ने कहा कि सोच अच्छी हो और दिशा सही हो तो सफलता अवश्य मिलती है। डॉ. सिंह ने कहा कि समाज ने हमे इतना कुछ दिया है तो हमे भी अपनी जिम्मेदारी निभाना चाहिए। दिव्यांग बच्चों का विपरीत परिस्थिति के बाद भी जीवन के प्रति जो नजरिए है वह सब हमारे लिए अनुकरणीय है।

एसएसपी लाल उमेद सिंह ने बताया कि अपने गांव में निर्धन और प्रतिभावान सौ छात्रों के लिए कोचिंग सेंटर संचालित करते है। इन छात्रों को प्रतियोगिता परिक्षा के लिए पूर्णत: निशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। इसअवसर पर एसएसपी डॉ. सिंह ने समाज सेवा के क्षेत्र में

उत्कृष्ट कार्य करने वाले राउंड टेबल और महेश्वरी युवा मंडल के पदाधिकारियों का सम्मान किया। पूर्व महापौर प्रमोद दुबे ने इस अवसर बताया कि यहां अध्ययनरत कुछ बच्चों के माता- पिता भी नहीं है। ऐसे बच्चों का शिक्षा के साथ ही परवरिश अपने घर के संतान की तरह करते हैं। श्री दुबे ने कहा कि पिछले पांच वर्षो से विपरीत परिस्थितयों के बाद भी राजेन्द्र नगर के बजाज कालोनी में मूक-बधिर बच्चों को शिक्षा के साथ ही कौशल प्रशिक्षण भी दिया जाता है ताकि बच्चे आत्मनिर्भर बन सके।

एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह, एडिशनल एस पी सतीश ठाकुर और ट्रैफिक डीएसपी गुरजीत सिंह ने दिव्यांग बच्चों को यूनीफॉर्म और स्टेशनरी सामग्री प्रदान किए। कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स के निलेश मूंधड़ा,अर्पण कल्याण समिति के धनंजय त्रिपाठी, विरेन्द्र शर्मा, डॉ. राकेश पांडेय, दिनेश शुक्ला,सीमा छाबड़ा और प्राचार्य कमलेश शुक्ला भी उपस्थित थे।

शासकीय नवीन महाविद्यालय गुढ़ियारी में कैरियर मार्गदर्शन और प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शासकीय नवीन महाविद्यालय गुढियारी रायपुर में विशेष रोजगार कार्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग, उच्च शिक्षा, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा कि तैयारी हेतु मार्गदर्शन कार्यक्रम 21 अगस्त 2025 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में शासकीय नवीन महाविद्यालय गुढ़ियारी एवं शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के 152 विद्यार्थी कार्यकम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देने हेतु मुख्य वक्ता डॉ. शशीकला अतुलकर, विशेष रोजगार कार्यालय रायपुर एवं ओम प्रकाश साहू, प्रोफेसर शंकराचार्य महाविद्यालय रायपुर उपस्थित थे।

उपसंचालक डॉ. अतुलकर द्वारा कोशिश के महत्व तथा लॉ आफ अट्रैक्शन के माध्यम से अपने सपनो को साकार करने के सूत्र विद्यार्थियों को बताए। उन्होंने कहा कि साकारात्मक सोच निरंतर प्रयास ही सफलता की कुंजी है। डॉ. ओमप्रकाश साहू प्रोफेसर ने अविष्कार की प्रक्रिया तथा विशिष्ट कौशल विकास पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को अपने भीतर छिपी क्षमताओं को पहचानने और उन्हें निखारने की प्रेरणा दी। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मुधुलिका अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनो से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धा क्षमता का विकास होता है। कार्यशाला का संचालन डॉ. राजवंश कौर कोहली एवं सहयोगी सहायक प्राध्यापक डॉ. सुभ्रा मिश्रा एवं नीतू सिंह रही एवं महाविद्यालय परिवार से डॉ. पद्मेश नाग, डॉ. वंदना कुमार, डॉ. आशा दुबे, डॉ. शुभ्रा वर्मा, लोकेश सातपथी, कुसुम चंद्राकर एवं मधु उर्वशी सहित अन्य सदस्य शामिल हुए।

महाविद्यालय परिसर में ही इच्छुक बेरोजगार छात्र/छात्राओं के लिए प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया गया, जिमसें निजी नियोजक अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड रायपुर एवं बॉम्बे इंटेलिजेन्स सिक्युरिटी (इंडिया) लिमिटेड रायपुर उपस्थित हुए। इस प्लेसमेंट कैम्प में शासकीय नवीन महाविद्यालय एवं शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के 18 आवेदकों ने रोजगार के लिए आवेदन किए जिसमें से अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड रायपुर 02 आवेदकों का प्रारंभिक रूप से सेक्यूरिटी गार्ड एवं माकेटिंग के लिए तथा बॉम्बे इंटेलिजेन्स सिक्युरिटी (इंडिया) लिमिटेड रायपुर द्वारा 04 आवेदकों का प्रारंभिक चयन सेक्यूरिटी गार्ड के लिए किया गया।

प्रोजेक्ट सुरक्षा के तहत छात्रों को मिला जीवनरक्षक प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशन में जिला प्रशासन रायपुर एवं रेड क्रॉस सोसाइटी, जिला शाखा रायपुर के संयुक्त प्रयास से प्रोजेक्ट सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण जीवनरक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मांट में 105 बच्चों व शिक्षकों को प्रथम बैच में प्रशिक्षण दिया गया।

द्वितीय बैच में स्वामी आत्मानंद शासकीय उच्चतर माध्यमिक उत्कृष्ट

इंग्लिश मीडियम विद्यालय गनियारी तिल्दा में 150 बच्चों शिक्षकों को तथा 3हस्त बैच में शासकीय हाई स्कूल घेवरा में 60 बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया। छात्र-छात्राओं के साथ शिक्षकों को भी प्राथमिक उपचार और सीपीआर (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) का प्रशिक्षण दिया गया।

साथ ही मल्टीलेवल पार्किंग में चौथे फ्लोर में पंचायत विभाग के पंचायत विभाग के 23 पंचायत सचिवों को से अधिक लोगों को प्राथमिक उपचार कीट एवं सीपीआर का प्रशिक्षण दिया गया। सीपीआर प्रशिक्षण से आपात कालीन स्थितियों में जीवन बचा सकते हैं। प्रशिक्षण बहुत ही महत्वपूर्ण हैं और इसे सीखने के लिए और भी लोगों को प्रेरित करेंगे और आपात कालीन स्थितियों में हमारे द्वारा लोगों की सेवा किया जाएगा।

मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने पंचनामा और पार्षद से सत्यापन का फरमान-कन्हैया

रायपुर। नगर निगम रायपुर द्वारा मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया को जटिल किए जाने पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने कड़ी आपत्ति जताई है। निगम के नए आदेश के अनुसार अब मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए पाँच व्यक्तियों से सत्यापन तथा क्षेत्रीय पार्षद से भी प्रमाणीकरण आवश्यक कर दिया गया है। अग्रवाल और बरोरे ने इस निर्णय को शोकाकुल परिवारों की परेशानी बढ़ाने वाला और अमानवीय बताया। उन्होंने कहा कि मृत्यु प्रमाण पत्र एक संवेदनशील दस्तावेज़ है, जिसकी तत्काल आवश्यकता परिवार को पड़ती है। ऐसे समय में शोकाकुल परिजनों को सत्यापन और कागजी औपचारिकताओं के बोझ तले दबाना अनुचित है।

उन्होंने आरोप लगाया कि निगम का यह आदेश परिजनों का अनावश्यक शोषण करेगा और समय की बर्बादी भी बढ़ाएगा। अग्रवाल ने कहा कि प्रशासन का कर्तव्य है कि वह लोगों को सुविधा दे, लेकिन इस आदेश से उल्टा परेशानी होगी। उन्होंने कहा कि पांच लोगों से सत्यापन करना उनके आधार कार्ड की कॉपी लेना पार्षद से सत्यापन करना जटिल है क्योंकि कोई भी व्यक्ति किसी की मृत्यु को प्रमाणित करने के लिए सामान्य रूप से अपने दस्तावेज देना नहीं चाहता है।

क्रेडा की ओर से ऊर्जा संरक्षण और सतत भवन संहिता पर आधारित कार्यशाला आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) की ओर से 21 अगस्त 2025 को ट्यूलिप एरीना में ऊर्जा संरक्षण एवं सतत भवन संहिता (ECSBC) विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित किया गया।

क्रेडा सीईओ राजेश सिंह राणा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि भविष्य में निर्मित होने वाले व्यावसायिक भवनों को अनिवार्य रूप से ऊर्जा संरक्षण एवं सतत भवन संहिता (ECSBC) आधारित भवन

निर्माण करने हेतु नियम व शर्तें लागू किया जाने तथा भवन निर्माणकर्ता इकाई, शासकीय हाउसिंग बोर्ड एवं निजी हाउसिंग सोसायटी के लिए ECBC, ईको निवास संहिता (ENS) एवं ऊर्जा दक्ष सामग्रियों के उपयोग पर विशेष बल देने की अपील की। साथ में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों हेतु ऊर्जा अंकेक्षण का प्रावधान विकसित कर ऊर्जा दक्ष तकनीक एवं सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा दिये जाने का कार्ययोजना पर विशेष जोर दिया।

श्री राणा द्वारा राज्य के भवन क्षेत्र में क्रेडा द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न प्रयासों की जानकारी देते हुए राज्य सरकार द्वारा ऊर्जा संरक्षण एवं सतत भवन संहिता के बारे में जानकारी साझा किया गया। इस दिशा में छत्तीसगढ़ राज्य ऊर्जा संरक्षण एवं सतत भवन संहिता नियम अधिसूचित करने हेतु क्रेडा द्वारा किये जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी साझा किया गया, आने वाले भविष्य में निर्माण होने वाले समस्त शासकीय भवनों को ऊर्जा संरक्षण एवं सतत भवन संहिता (ECSBC) अनुरूप निर्माण किये जाने हेतु क्रेडा द्वारा तत्परता से कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग (T&CP), तथा लोक निर्माण विभाग के अभियंता एवं वास्तुविद (Architect) बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रशिक्षण सत्र में क्रेडा की ओर से कुशल तिवारी एवं प्रियंका पचौरी, परियोजना समन्वयक भी उपस्थित रहे और प्रतिभागियों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

सामंथा रुथ प्रभु ने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी, नए करियर चरण को अपनाया

इंडस्ट्री में 15 साल काम करने के बाद, सामंथा रुथ प्रभु अपने करियर के एक नए दौर में कदम रख रही हैं। एक दशक से भी ज़्यादा समय तक कई तरह के किरदार निभाकर दर्शकों का मनोरंजन करने के बाद, अभिनेत्री अपने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने के लिए अपने काम के बोझ को कम करने पर विचार कर रही हैं। ग्राज़िया इंडिया से बातचीत में, कुशी स्टार ने खुलासा किया कि वह अब उस मुकाम पर पहुँच गई हैं जहाँ वह फिटनेस और फिल्मों, दोनों पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हैं।

सामंथा रुथ प्रभु की आखिरी ऑनस्क्रीन उपस्थिति वरुण धवन के साथ सिटाडेल: हनी बनी सीरीज में थी। अमेजन प्राइम शो से पहले, अभिनेत्री ने 2023 की हिट फिल्म कुशी में विजय देवरकोंडा के साथ काम किया था। सामंथा रुथ प्रभु की सिर्फ जुनूनी प्रोजेक्ट्स पर काम करने की टिप्पणी मीडिया पोर्टल के साथ एक साक्षात्कार के दौरान, सामंथा रुथ प्रभु ने खुलासा किया, मैं एक ऐसे मुकाम पर पहुँच गई हूँ जहाँ मैं वो काम करती हूँ जिनके लिए मैं बेहद जुनूनी हूँ, और इसमें फिटनेस और फिल्में दोनों शामिल हैं। मैं कई फिल्मों और सीरीज का हिस्सा रही हूँ, लेकिन उनमें से सभी जुनूनी प्रोजेक्ट नहीं थे।

उन्होंने आगे कहा, लेकिन अब, मैं जो भी काम करती हूँ, जिस भी व्यवसाय में मैं निवेश करती हूँ, जिस भी फिल्म का मैं निर्माण करती हूँ, सबमें मेरा दिल बसता है। सामंथा ने यह भी बताया कि अब वह एक साथ कई प्रोजेक्ट्स नहीं लेतीं। आउटलेट के साथ बातचीत में, अभिनेत्री ने दावा किया, मैं अब एक साथ पाँच फ़िल्में नहीं करती। एक बात मुझे समझ में आई है कि मुझे अपने शरीर की बात सुननी होगी, इसलिए मैंने अपने काम की मात्रा कम कर दी है। लेकिन अब मैं जो भी करती हूँ और जिसमें अपनी ऊर्जा लगाती हूँ, वह बहुत मायने रखता है। उन्होंने आगे कहा कि काम की मात्रा तो कम हुई है, लेकिन गुणवत्ता जरूर बढ़ी है।

शादी के बंधन में बंधी 'गोपी बहू', जिया मानेक ने ब्वॉयफ्रेंड वरुण जैन संग लिए सात फेरे

टीवी सीरियल 'साथ निभाना साथिया' लगभग सभी ने देखा होगा। इस शो में 'गोपी बहू' के किरदार में जिया मानेक ने लोगों के दिलों में अपनी एक अलग जगह बनाई थी। अब 'गोपी बहू' ने अपने लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड वरुण जैन से शादी कर ली है और उन्होंने अपनी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी शेयर की है। हालांकि, अचानक यह खबर सुन उनके फैंस खुश होने के साथ-साथ थोड़े शॉक्ड भी हो गए हैं। दोनों ने अपने रिश्ते को लोगों की नजरों से दूर रखा। बता दें कि इस कपल ने अपने करीबी परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में शादी की।

जिया मानेक ने की शादी

21 अगस्त, गुरुवार को जिया मानेक और वरुण जैन ने एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपनी शादी की दो तस्वीरें शेयर की। फोटो में एक्ट्रेस पारंपरिक गहनों से सजी गोल्डन साउथ इंडियन साड़ी पहने नजर आईं, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही थीं। वहीं, वरुण ने डार्क येलो कलर का कुर्ता पहने हुए नजर आए। इन फोटो को शेयर करते हुए कपल ने कैप्शन में लिखा, ईश्वर और गुरु की कृपा और आप सभी के प्यार के साथ, हम हमेशा के लिए एक हो गए हैं।

इसके आगे उन्होंने लिखा, हाथ में हाथ डाले, दिल से दिल तक। हम दो दोस्त थे और आज पति-पत्नी हैं। इस दिन को खास बनाने वाले सभी प्रियजनों का प्यार, आशीर्वाद और शुभकामनाओं के लिए बहुत आभारी हूं। मिस्टर और मिसेज जिया और वरुण के रूप में हंसी, रोमांच, यादों और साथ से भरी जिंदगी के लिए शुभकामनाएं।

कौन है जिया के पति वरुण?

जिया मानेक के पति वरुण जैन भी टीवी एक्टर हैं। उन्होंने साल 2010 में 'काली - एक अग्निपरीक्षा' से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह 'दीया और बाती हम' में मोहित राठी के किरदार में नजर आए, जहां उन्हें काफ़ी लोकप्रियता मिली। इसके बाद फैंस ने वरुण जैन को 'साथ निभाना साथिया' में जिया के ऑन-स्क्रीन देवर चिराग मोदी के रूप में देखा था।

अभिनेत्री नोरा फतेही ने शेयर किया सिजलिंग हॉट वीडियो, फैंस ने जमकर लुटाया प्यार

नोरा फतेही ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक हॉट एंड सिजलिंग वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में नोरा बोल्ड लुक में नजर आ रही हैं। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर फैंस के बीच जमकर वायरल हो रहा है।

नोरा फतेही ने इंस्टाग्राम पर अपना एक बोल्ड एंड हॉट वीडियो शेयर कर फैंस को सरप्राइज कर दिया है। इस वीडियो में नोरा रेड क्रॉप टॉप के साथ डेनिम शॉर्ट्स में समंदर किनारे सिजलिंग पोज देती नजर आ रही हैं। नोरा का यह लुक फैंस के बीच जमकर वायरल हो रहा है। इस शानदार वीडियो के साथ नोरा ने कैप्शन में लिखा, ओह मामा टेटेमा स्पॉटिफी चार्ट पर आगे बढ़ रहा है। धन्यवाद मेरे प्यारे स्ट्रीमिंग करते रहो, उन्हें अपनी शक्ति दिखाओ।

नोरा फतेही और तंजानियाई कलाकार रेवनी ने अफ्रोबीट और देसी धुनों का मिश्रण करते हुए ओह मामा टेटेमा रिलीज किया है। बॉस्को लेस्ली मार्टिस ने इस गाने को निर्देशित और और कोरियोग्राफ किया है। इस वीडियो में नोरा के जबरदस्त डांस मूव्स हैं। यह गाना नोरा के फैंस के बीच काफी लोकप्रिय हो रहा है। यह म्यूजिक वीडियो 10 अगस्त, 2025 को यूट्यूब पर रिलीज किया गया था। नोरा का यह वीडियो फैंस के बीच जमकर वायरल हो रहा है। एक फैन ने लिखा, बहुत सुन्दर वीडियो, एक और फैन ने लिखा, आप हमेशा अपने लुक से कमाल करती हैं, एक और फैन ने लिखा, मेरी पसंदीदा डांसर नोरा, एक और फैन ने लिखा, आप बहुत सुन्दर हैं, एक और फैन ने लिखा, बहुत खूबसूरत, एक और फैन ने लिखा, भगवान की सबसे सुंदर रचना। नोरा फतेही कनाडाई अभिनेत्री, मॉडल और डांसर हैं। नोरा ने रोर: टाइगर्स ऑफ द सुंदरबन्स से अभिनय की शुरुआत की, लेकिन उन्होंने कई बॉलीवुड फिल्मों में बेहतरीन डांस किया है। नोरा ने दिलबर और कमरिया जैसे लोकप्रिय गानों में अपने डांस से दर्शकों का दिल जीता है।

शॉर्ट्स वाली देसी गर्ल बन नीना ने दिखाईं अदाएं, ट्रोलर्स को दिया मुंह तोड़ जवाब

अभिनेत्री नीना गुप्ता ने सोशल मीडिया पर अपना एयरपोर्ट लुक फैंस के साथ शेयर किया है। एक्ट्रेस को शॉर्ट्स में देख कई यूजर्स ने उनके कपड़ों पर कमेंट किया और उन्हें ट्रोल किया है।

नीना गुप्ता ने बॉलीवुड की सबसे बिंदास सीनियर एक्ट्रेस में से एक हैं। वह दिल खोलकर जिंदगी जीने में यकीन रखती हैं। पहनावे से लेकर उनकी सोच तक हर तरीके से वह हर महिला काफी प्रभावित करती हैं। वहीं बात उनके फैंशन सेंस की करें तो एक्ट्रेस उम्र का हवाला देकर सूट और साड़ी को ही नहीं बल्कि हर तरह की ड्रेस को एक्सप्रोलोर करती हैं। हाल में भी वह शॉर्ट ड्रेस में दिखीं, जिसमें उन्हें काफी ट्रोल किया गया। अब उन्होंने आलोचना करने वालों को करारा जवाब दिया है।

नीना गुप्ता ने शेयर किया पोस्ट

नीना ने इंस्टाग्राम पर अपना लेटेस्ट एयरपोर्ट लुक शेयर शेयर किया था। उन्होंने अपने इस सफर के बारे में लोगों को विस्तार से बताया। नीना ने घर के बने स्नैक्स, जैसे रोटी रोल को लेकर भी बात की, जिसका वो मजा ले रही थीं। लेकिन सोशल मीडिया यूजर को उनका शॉर्ट्स पहनना रास नहीं आया। बात से ध्यान हटा यूजर ने कमेंट किया अपने पैर न दिखाएं, वे अच्छे नहीं लग रहे हैं। हमने दादी-मम्मी को ऐसा करते नहीं देखा है। इस टिप्पणी पर नीना के फैंस ने यूजर को फालतू बताते हुए एक्ट्रेस का समर्थन किया और ट्रोल करने वाली महिला की आलोचना की।

फैंस ने ट्रोल को दिया जवाब

एक फैन ने जवाब देते हुए लिखा, यह एक महिला पर की गई कितनी शर्मनाक टिप्पणी है। शरीर को शर्मसार करना गलत है और वह भी तब जब आप खुद एक महिला हैं। वहीं नीना गुप्ता ने अपने चाहने वाले इस फैन के कमेंट पर रिप्लाई भी दिया है। एक्ट्रेस का अंदाज लोगों को काफी पसंद आ रहा है।

उर्फी जावेद के बॉयफ्रेंड के चेहरे से उठा मुखौटा, एक्ट्रेस ने खुद किया फेस रिवील

उर्फी जावेद के फैंस के लिए गुड न्यूज है। एक्ट्रेस ने अपने बॉयफ्रेंड का नाम अब रिवील कर दिया है। उर्फी के बॉयफ्रेंड के नाम के साथ-साथ उसका चेहरा भी सामने आ गया है।

पॉपुलर एक्ट्रेस और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर उर्फी जावेद ने हाल ही में खुलासा किया है कि वो एक लड़के को डेट कर रही हैं। उन्होंने पूरी दुनिया के सामने ये बात एक्सेप्ट कर ली है कि वो दिल्ली के एक लड़के के साथ रिलेशनशिप में हैं। उर्फी ने अपने बॉयफ्रेंड को लेकर ढेर सारी डिटेल्स भी शेयर की हैं। हालांकि, अभी तक एक्ट्रेस ने अपने बॉयफ्रेंड का नाम या फेस रिवील नहीं किया था। ऐसे में फैंस भी बस यही जानना चाहते हैं कि उर्फी इन दिनों किसके इश्क में कैद हैं? तो उर्फी ने अब फैंस की ये इच्छा भी पूरी कर दी है।

उर्फी जावेद का बॉयफ्रेंड हुआ रिवील

उर्फी जावेद ने अब सोशल मीडिया पर अपने बॉयफ्रेंड का नाम और उसका फेस भी रिवील कर दिया है। आपको बता दें, उर्फी जावेद ने इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर कर अपने बॉयफ्रेंड का फेस रिवील किया है। इस फोटो में उर्फी एक लड़के साथ बैठी हुई नजर आ रही हैं और इस लड़के ने उर्फी के गले में हाथ डाला हुआ है। दोनों कॉफी एन्जॉय करते हुए नजर आ रहे हैं। इस फोटो को शेयर करते हुए उर्फी जावेद ने लिखा, 'अब मुझे अपने बॉयफ्रेंड की याद आ रही है।'

उर्फी ने दुनिया को बताया बॉयफ्रेंड का नाम

आपको बता दें, उर्फी ने इस पोस्ट में बॉयफ्रेंड को टैग भी किया है। अब जिस शख्स को उर्फी ने अपना बॉयफ्रेंड बताते हुए टैग किया है उसका नाम कौस त्रिवेदी है। वहीं, कौस त्रिवेदी ने भी सोशल मीडिया पर उर्फी के साथ कई स्टोरी पोस्ट की हैं। कौस ने उर्फी की स्टोरी पर रिप्लाई भी किया है। उन्होंने उर्फी के पोस्ट को री-शेयर करते हुए लिखा, 'बॉलीवुड सेलेब्रिटी का पसंदीदा बनना मुश्किल है, लेकिन किसी को तो पब्लिक सर्विस करनी ही होगी।'

कौस त्रिवेदी है उर्फी के बॉयफ्रेंड का नाम

कौस त्रिवेदी ने उर्फी के साथ रविवार की डेट की फोटोज भी शेयर की हैं। अब उनके बॉयफ्रेंड का राज खुल चुका है। अब पूरी दुनिया को पता चल गया है कि उर्फी किसके इश्क में दीवानी हो रखी हैं। आपको बता दें, उर्फी ने अपने एक इंटरव्यू में खुलासा किया था कि उनका बॉयफ्रेंड 6 फीट 4 इंच लम्बा है और वो उसके साथ 8 या 6 इंच की हील पहनकर घूमती हैं।

कृति सेनन ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- 'अपनी भड़ास दूसरों पर निकालना बंद करें'

अन्य फिल्मी सितारों की तरह कृति सेनन को भी सोशल मीडिया पर नफरत का सामना करना पड़ा है। हाल ही में कृति ने रिवील किया है कि वह ऑनलाइन हेट से कैसे डील करती हैं। वह आखिरी बार दो पत्ती में दिखाई दी थीं और उनके अपकमिंग प्रोजेक्ट्स में कई बड़ी फिल्में शामिल हैं। जब से सोशल मीडिया का जमाना आया है, तब से फिल्मी सितारों की स्क्रूटनी भी बढ़ी है। कुछ सेलेब्स को प्यार तो मिलता है, लेकिन साथ में ऑनलाइन नफरत का भी सामना करना पड़ता है। कृति सेनन भी उनमें से एक हैं।

मिमी फिल्म के लिए नेशनल फिल्म अवॉर्ड अपने नाम कर चुकीं कृति सेनन ने एक्सेप्ट किया है कि सोशल मीडिया पर प्यार के साथ-साथ उन्हें नफरत भी मिली है, लेकिन वह उसे खुद पर हावी नहीं होने देती हैं। बातचीत में कृति सेनन ने ऑनलाइन हेटिंग को लेकर कहा, मैं कमेंट्स या लोगों की बातों पर ध्यान नहीं देती क्योंकि मुझे लगता है कि कोई अपनी जिंदगी की भड़ास किसी और पर निकाल रहा है। इसलिए मैं इसे गंभीरता से नहीं लेती। कृति सेनन ने आगे कहा, मुझे लगता है कि अगर मैं आपको नहीं जानती तो क्या मैं वाकई आपकी बातों का जवाब दूंगी, अगर आप मुझसे कुछ अच्छी तरह से कहेंगे, तो नहीं। तो नहीं मुझे लगता है कि मैं सोशल मीडिया का इस्तेमाल इसके अच्छे पहलू के लिए करती हूं, जैसे कि मुझे अपने प्रशंसकों से जुड़ना पसंद है और मुझे फिल्मों से परे लोगों से जुड़ना पसंद है।

मैनीक्योर के लिए हजारों रुपये खर्च करने की जरूरत नहीं, घर पर ही आसानी से हाथों को बनाएं चमकदार

खूबसूरत दिखना हर किसी की चाहत होती है, इसीलिए लोग अपने चेहरे के साथ-साथ अपने हाथों और पैरों पर भी ध्यान देते हैं। चेहरे की देखभाल के साथ-साथ हाथ और पैरों की देखभाल भी उतनी ही जरूरी है क्योंकि ये भी खूबसूरती का एक अहम हिस्सा हैं। खासकर आजकल की लड़कियां इस मामले में काफी आगे हैं। वे अक्सर अपने हाथों और नाखूनों को खूबसूरत दिखाने के लिए ब्यूटीशियन से मैनीक्योर करवाकर हजारों रुपये खर्च कर देती हैं। हालांकि, ब्यूटी एक्सपर्ट्स का कहना है कि अब इसकी कोई जरूरत नहीं है। आप बिना एक भी पैसा खर्च किए घर पर ही आसानी से मैनीक्योर करवा सकती हैं। आइए इस खबर में जानते हैं कैसे?

मैनीक्योर क्या है?

मैनीक्योर एक लैटिन शब्द है। लैटिन में मैनस का अर्थ है हाथ और क्योर का अर्थ है देखभाल। कुल मिलाकर, मैनीक्योर हाथों, उंगलियों और नाखूनों को सुंदर बनाने की प्रोसेस है। साथ ही, मैनीक्योर करवाने से हाथ मुलायम, चिकने और सुंदर बनते हैं। आइए अब देखें कि आप घर पर आसानी से यह मैनीक्योर कैसे कर सकते हैं।

- सबसे पहले, अगर आपके नाखूनों पर नेल पालिश लगी है, तो उसे नेल पालिश रिमूवर से पूरी तरह साफ कर लें। हालांकि, जिद्दी या चमकदार नेल पालिश हटाने के लिए आपको एसीटोन-आधारित रिमूवर चुनना चाहिए, और सामान्य पेंट के लिए आपको एसीटोन-रहित रिमूवर चुनना चाहिए। रिमूवर में रुई के फाहे डुबोएं और हर नाखून पर हल्के हाथों से रगड़कर सारा नेल पालिश हटा दें।
- नेल पालिश हटाने के बाद, अपने नाखूनों को अपनी पसंद के आकार में काट लें। फिर किनारों को हल्के से फाइल करके ट्रिम करें।
- अब एक छोटे कटोरे में गुनगुना पानी लें और उसमें साबुन का घोल डालें। अब पानी में नींबू के रस की कुछ बूंदें डालकर अच्छी तरह मिलाएं। फिर दोनों हाथों की उंगलियों को 5 से 10 मिनट तक पानी में डुबोकर रखें।
- ऐसा करने से नाखूनों पर चिपकी गंदगी और अशुद्धियां निकल जाएंगी। साथ ही, अगर वे खुरदुरे हैं, तो क्यूटिकल्स मुलायम हो जाएंगे। इसी तरह, नाखून के आसपास की त्वचा भी मुलायम हो जाएगी। इसके बाद, अगर नाखूनों के आसपास कोई क्यूटिकल के टुकड़े हों, तो उन्हें क्यूटिकल रिमूवर से हटा दें। ऐसा करने से नाखून सुंदर और बड़े दिखेंगे।
- फिर एक कटोरा लें और उसमें एक चम्मच पिसी चीनी, चावल का आटा, दो चम्मच काफी पाउडर और पांच चम्मच नारियल का तेल डालकर मिला लें।
- अब इस मिश्रण को हथेलियों से कोहनियों तक लगाएं और हल्के हाथों से रगड़ें। हालांकि, इसे लगाने से पहले अपने हाथों को अच्छी तरह साफ कर लें।
- स्क्रब करने के बाद, अपने हाथों को ठंडे पानी से धोएं और मुलायम तौलिये से थपथपाकर सुखाएं फिर, अपने हाथों और उंगलियों पर एक अच्छा माइस्चराइजर लगाकर हल्के हाथों से मालिश करें। हालांकि, अपने नाखूनों पर माइस्चराइजर न लगाएं
- ऐसा करने के बाद, आखिर में अपने नाखूनों पर एक अच्छी नेल पालिश लगा लें। बस, आप बिना ब्यूटी पार्लर जाए घर पर ही आसानी से अपना मैनीक्योर पूरा कर सकती हैं।
- सौंदर्य विशेषज्ञों का कहना है कि यदि आप हर दो सप्ताह में एक बार घर पर यह मैनीक्योर करते हैं, तो आपके हाथ नरम, मुलायम और सुंदर चमकदार हो जाएंगे।

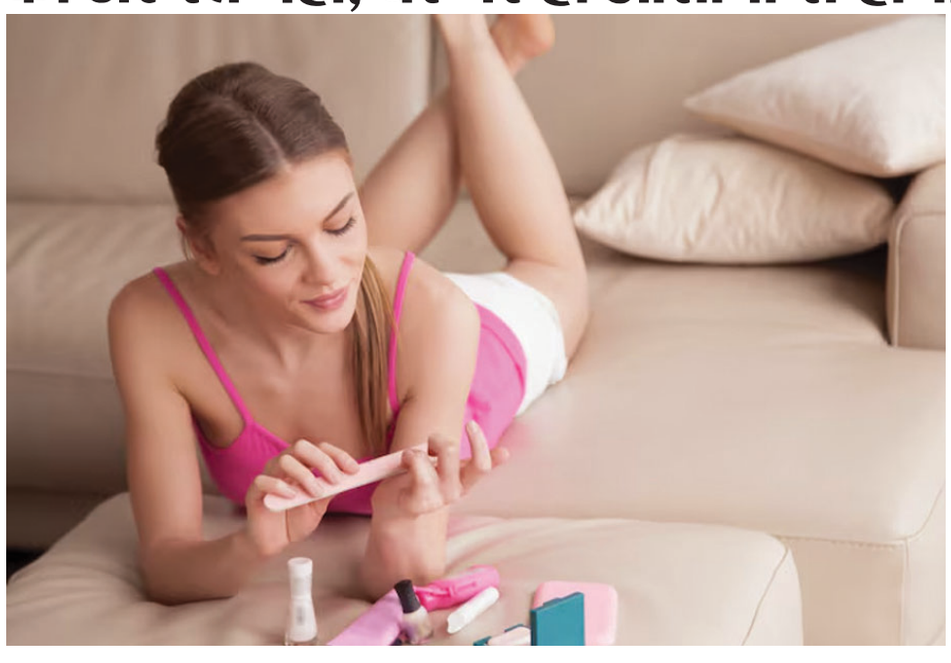

मलूहा के पांच किसानों को मिला 25 वर्षों से लंबित 88 लाख रुपए का मुआवजा

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे की संवेदनशील पहल, कलेक्टर जनदर्शन बना किसानों की उम्मीद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के बिलाईगढ़ ब्लॉक के ग्राम मलूहा के पांच किसान परिवारों को 25 वर्षों से लंबित मुआवजा राशि आखिरकार मिल गई। अपर सोनिया जलाशय डूबान से प्रभावित इन किसानों ने वर्षों तक कार्यालयों के चक्कर लगाए, धरना-प्रदर्शन और भूख हड़ताल तक की, लेकिन उन्हें उनका हक नहीं मिल पा रहा था। कलेक्टर जनदर्शन में आवेदन प्रस्तुत करने पर कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने इस प्रकरण को गंभीरता से लिया और मात्र 4 माह की सतत मॉनिटरिंग के बाद किसानों को उनका हक दिला दिया।

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने 28 अप्रैल 2025 को पदभार ग्रहण करने के तुरंत बाद इस प्रकरण की जानकारी ली। उन्होंने कार्यपालन अभियंता कसडोल डिवीजन एवं एसडीएम बिलाईगढ़ से पूरे दस्तावेज मंगवाए और हर सप्ताह इसकी प्रगति रिपोर्ट लेते रहे। उनकी संवेदनशीलता और सतत मॉनिटरिंग का परिणाम रहा कि ग्राम मलूहा के किसानों को 25 वर्षों के बाद कुल 88 लाख 19 हजार 592 रुपये का मुआवजा प्रदान किया गया।

जनपद पंचायत बिलाईगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. कन्नौजे ने प्रभावित किसान गंगाधर नाई, चंद्रा परिवार के तीन भाई सरकार, परदेशी, रामानुज, दो बहनेंकृशांति एवं घसनीन, तथा उनकी बुआ सहोद्राबाई को चेक के माध्यम से मुआवजा राशि सौंपी।

वर्षों से लंबित किसानों को मुआवजा प्रकरण को संवेदनशीलता के साथ निराकृत होने पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कलेक्टर और उनकी टीम की कार्यशैली की सराहना की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता है कि किसी भी नागरिक को उसके हक और अधिकार के लिए भटकना न पड़े। उन्होंने कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में कलेक्टर जनदर्शन के माध्यम से 25 वर्षों से लंबित मुआवजा प्रकरण का समाधान 4 माह में हुआ है। यह प्रशासन की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता का उदाहरण है। हमारी सरकार की मंशा है कि हर व्यक्ति को उसका हक मिले।

मुआवजा राशि प्राप्त होने पर किसानों ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और शासन-प्रशासन का आभार व्यक्त किया है। सहोद्राबाई, जो लंबे समय से बीमार हैं, मुआवजा राशि का चेक पाकर भावुक हो गईं। उनका कहना है कि मैं विवाह के बाद से मायके में ही रह रही हूँ और भतीजों के सहारे जीवन बिता रही थी। अब इस मुआवजे से इलाज कराऊँगी और वर्षों से लिए कर्ज चुका पाऊँगी। किसान गंगाधर नाई ने कहा कि 25 साल से हम न्याय के लिए भटक रहे थे। आज मुख्यमंत्री जी, कलेक्टर और एसडीएम की बदौलत हमें हमारा हक मिला।

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, भोरिंग ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में लहराया परचम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, भोरिंग (महासमुंद) के छात्र-छात्राओं ने राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। बिलासपुर में आयोजित इस प्रतियोगिता में विद्यालय ने कुल 13 पदक अपने नाम किए, जिनमें 6 स्वर्ण, 6 रजत और 1 कांस्य शामिल हैं।

शतरंज में अंडर-14 वर्ग के कुनाल ने स्वर्ण तथा अंडर-19 वर्ग की धारणा ने रजत पदक जीता। कबड्डी में कन्हैया ध्रुव, अक्षय विशाल और गजेन्द्र ने रजत पदक हासिल किया।

ट्रिपल जंप में अंडर-19 वर्ग के कुंदन ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

तीरंदाजी में अंडर-19 वर्ग के जयंत ठाकुर, अंडर-14 वर्ग की कुमुदिनी और लक्ष्मी रानी ने स्वर्ण, जबकि योगेश नाग (अंडर-14), दिगम्बर नेताम (अंडर-14) और उमेश (अंडर-19) ने रजत तथा अंडर-19 वर्ग की लिलीमा ने कांस्य पदक जीता। वहीं बैडमिंटन में अंडर-14 वर्ग के आदित्य ने रजत पदक अर्जित किया।

इन शानदार उपलब्धियों के आधार पर विद्यालय के 12 प्रतिभाशाली छात्रों का चयन राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए किया गया है। विद्यालय प्रबंधन ने सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी हैं।

राज्यपाल बने छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों में टीबी मरीजों के 'निक्षय मित्र'

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने एक मिसाल कायम करते हुए राज्य के सभी 33 जिलों में उपचाररत कुल 330 टीबी मरीजों, प्रत्येक जिले से 10 मरीजों को 'निक्षय मित्र' बनकर गोद लिया है। राज्यपाल द्वारा मरीजों को उपचार अवधि में पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने हेतु प्रत्येक मरीज को प्रतिमाह 500 रुपये की अनुदान राशि संबंधित जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को प्रदान की जा रही है।

श्री डेका ने 31 जुलाई 2024 को छत्तीसगढ़ के 10वें राज्यपाल के रूप में पदभार ग्रहण किया था। पदभार ग्रहण करने के पश्चात जिलों के प्रवास के दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री जी के 'टीबी मुक्त भारत अभियान' को गति प्रदान करने की पहल की। इस दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठकें कर अभियान की प्रगति की जानकारी ली तथा

मरीजों से सीधा संवाद कर उन्हें नियमित दवा और पोषण आहार के महत्व से अवगत कराया।

इस क्रम में उन्होंने सर्वप्रथम राजनांदगांव, बस्तर, धमतरी और गरियाबंद जिलों के टीबी मरीजों को गोद लिया था। तत्पश्चात अपने कार्यकाल के एक वर्ष पूर्ण होने से पूर्व ही उन्होंने शेष सभी जिलों में भी मरीजों को गोद लेकर अंतिम 33वें जिले कोंडागांव तक यह प्रक्रिया पूरी की और ऐसा करने वाले वह देश के प्रथम राज्यपाल बन गए। राज्यपाल डेका ने उद्योगपतियों, समाजसेवी संगठनों राइस मिल एसोसिएशन एवं आम नागरिकों से भी अपील की है कि वे आगे आकर 'निक्षय मित्र' बनें और टीबी मरीजों को गोद लेकर इस जनआंदोलन का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही छत्तीसगढ़ सहित पूरे भारत को टीबी मुक्त बनाने का संकल्प साकार किया जा सकता है।

राज्यपाल से मिले हाई स्कूल के विद्यार्थी

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से राजभवन में रायपुर के निजी स्कूल के विद्यार्थियों ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर श्री डेका ने बच्चों को जीवन और कैरियर में सफलता पाने के लिए मार्गदर्शन दिया और विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। विद्यार्थियों ने राज्यपाल की बातों को पूरे उत्साह से ध्यानपूर्वक सुना। राज्यपाल ने विद्यार्थियों से उनके सपनों और हॉबी पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि अनुशासन और धैर्य सफलता की कुंजी हैं। यदि किसी परीक्षा में सफलता न मिले तो उसके विकल्प तैयार रखें। विद्यार्थी यूपीएससी की परीक्षा देना चाहते हैं, उसके लिए पूरी लगन के साथ तैयारी करें लेकिन अन्य विकल्पों पर भी ध्यान दें। श्री डेका ने कहा कि हर विद्यार्थी को अपनी हॉबी विकसित करना चाहिए क्योंकि यह व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होते हैं। एक छात्रा ने संगीत से जुड़े अपने हॉबी का जिक्र किया। इस पर राज्यपाल ने कहा कि संगीत जीवन के लिए महत्वपूर्ण है, इसमें विज्ञान भी निहित है। विद्यार्थियों ने जब राजनीति के बारे में पूछा तो राज्यपाल ने कहा कि अच्छे लोगों को राजनीति में आना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनौतियों का समाधान करने के लिए सही समय पर सही निर्णय लेना जरूरी है।

कवर्धा अस्पताल में सीटी स्कैन सुविधा, महज एक माह के भीतर 145 मरीजों को अब तक मिला लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार को लेकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप, उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रयास और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल के निर्देश पर कबीरधाम जिले को एक ऐतिहासिक सौगात मिली है। जिला बनने के बाद पहली बार कबीरधाम जिला अस्पताल में सीटी स्कैन की सुविधा प्रारंभ की गई है। 25 जुलाई 2025 को इस सुविधा का शुभारंभ हुआ और महज एक माह से भी कम समय में लगभग 145 मरीजों को इसका लाभ मिल चुका है।

अब तक कबीरधाम जिले के लोगों को सीटी स्कैन जैसी जांच के लिए रायपुर, दुर्ग, भिलाई, बिलासपुर जैसे बड़े शहरों का रुख करना पड़ता था। इसमें समय और धन दोनों की दिक्कत होती थी। लेकिन अब यह सुविधा शासकीय जिला अस्पताल में उपलब्ध होने से जरूरतमंद मरीजों और उनके परिवारों को बड़ी राहत मिली है।

जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ केशव ध्रुव ने बताया कि महज एक माह से भी कम समय में लगभग 145 मरीजों को इसका लाभ मिल चुका है। अब तक सीटी स्कैन जांच का लाभ विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे मरीजों ने उठाया है जिसमें पंडरिया ब्लॉक से 22 मरीज,बोडला से 35 मरीज, सहसपुर लोहारा से 25 मरीज, कवर्धा शहरी और ग्रामीण क्षेत्र से 50 मरीज अन्य जिलों से 13 मरीज । इनमें से 14 मरीजों का स्कैन आपातकालीन स्थिति में किया गया, जो मरीजों के उपचार में बेहद सहायक साबित हुआ।

छत्तीसगढ़ आदिवासी स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड की बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड की संचालक मंडल की नवमी बैठक विगत दिवस रायपुर में आयोजित की गई। बैठक का आयोजन छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड के सभागार में बोर्ड के अध्यक्ष विकास मरकाम के अध्यक्षता में हुई। इस अवसर पर बोर्ड के सदस्य वनबल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव, निदेशक राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान तपेश झा, प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ अनिल कुमार साहू, स्टेट इंचार्ज एफआर.एल.एच.टी. बैंगलोर कंचन बंजारे सहित वन विभाग, आयुष विभाग, उद्योग विभाग, कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में बोर्ड द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। इसमें औषधीय पौधों की योजना, स्कूल हर्बल गार्डन, होम हर्बल गार्डन, ईको-टूरिज्म, पारंपरिक वैद्यों का प्रशिक्षण, ग्रामीणों हेतु जागरूकता कार्यक्रम और सामूहिक प्रशिक्षण जैसी योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में अध्यक्ष मरकाम ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और वन, जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में बोर्ड के कार्यों को और गति दी जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को योजनाओं को समय पर और पूरी तरह लागू करने के निर्देश दिए।

बस्तर के वनों को देखने के लिए दुनिया भर से आते हैं पर्यटकः वन मंत्री केदार कश्यप

'कनेक्ट बस्तर' की थीम पर पर्यटन की सुविधा हेतु दस वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। वन मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर ईको टूरिस्ट समिति के समूहों को बधाई देते हुए कहा कि पर्यटन के दृष्टि से बस्तर क्षेत्र में वन बहुत बड़ा आधार है, बस्तर के वनों और प्राकृतिक सौन्दर्य को देखने के लिए दुनिया भर के पर्यटक आते हैं। मंत्री श्री कश्यप आज वन विभाग और कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान द्वारा शहीद गुंडाधुर कृषि कालेज जगदलपुर के सभागार में आयोजित कनेक्ट बस्तर कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उक्त बातें कहीं।

गौरतलब है कि 'कनेक्ट बस्तर' की थीम पर पर्यटन की दृष्टि से वन विभाग और कांगेर वैली राष्ट्रीय उद्यान द्वारा कोंडागांव जिले के टाटामारी से बस्तर जिले के चित्रकोट, नारायणपाल मंदिर, तीरथगढ़, कांगेर वैली राष्ट्रीय उद्यान और दंतेवाड़ा जिले के दंतेश्वरी मंदिर, बारसूर के मंदिर को एक पर्यटन सर्किट बनाकर पर्यटकों की सुविधा हेतु दस वाहन की व्यवस्था की गई है।

कार्यक्रम में विधायक किरण देव ने कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री साय और वन मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर जैसे वनांचल क्षेत्र में पर्यटन के विकास को गति दी है। बस्तर की संस्कृति और पर्यटन के नाम से आज देश विदेश में बस्तर क्षेत्र की अलग पहचान बनी है। अब बस्तर के धुरमारास पर्यटन स्थल को यूनेस्को जैसी संस्था सम्मान दे रही है। हमको बस्तर को पर्यटन की दृष्टि से कॉरिडोर के रूप में जोड़ने की आवश्यकता है। कांगेर वैली राष्ट्रीय उद्यान की एक अच्छी पहल पर्यटन के लिए दस वाहनों का लोकार्पण किया गया है। इसके अलावा कार्यक्रम में लगभग एक करोड़ 70 लाख के विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया।

इस अवसर पर मंत्री कश्यप ने 'कनेक्ट बस्तर' की थीम का विमोचन किया गया। उन्होंने वन विभाग से संबंधित विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को चेक भी वितरण किया। साथ ही शासकीय आवास गृह निर्माण हेतु 59 लाख 92 हजार, नक्षत्र वाटिका के सौंदर्यीकरण के लिए 72 लाख 48 हजार का और पाँच सरई शेड निर्माण के लिए 38 लाख रुपए 13 हजार रुपए लागत के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। मंत्री कश्यप ने पर्यटकों की सुविधा के लिए दस वाहनों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया।

इस अवसर पर महापौर संजय पांडेय, अन्य जनप्रतिनिधि, सीसीएफ वन्य-जीव स्टायलो मंडावी, डीएफओ उत्तम गुप्ता, संचालक कांगेर वैली राष्ट्रीय उद्यान नवीन कुमार सहित गणमान्य नागरिक और अधिकारी उपस्थित रहे।

योगेंद्र सिंह साहू का घर हो रहा रोशन, बिजली बिल हुआ शून्य

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना ने आम नागरिकों के जीवन को नई दिशा दी है। अब लोग अपने घर की छतों पर सौर ऊर्जा से बिजली उत्पन्न कर न सिर्फघरेलू जरूरतें पूरी कर रहे हैं, बल्कि अतिरिक्त बिजली को ग्रिड में भेजकर आय का साधन भी बना रहे हैं। इस योजना ने उपभोक्ताओं पर बिजली बिल का बोझ कम कर आर्थिक बचत और पर्यावरण संरक्षण दोनों का मार्ग प्रशस्त किया है।

जांजगीर के हसदेव विहार कालोनी के निवासी योगेंद्र सिंह साहू प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के लाभार्थियों में से एक हैं। उन्होंने अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर सिस्टम स्थापित किया है। इसके लिए उन्हें शासन से सब्सिडी भी प्राप्त हुई। श्री साहू बताते हैं कि पहले हर महीने उनका बिजली बिल 4 हजार से 5 हजार रुपए तक आता था, जिससे परिवार का बजट प्रभावित होता था। लेकिन सोलर सिस्टम लगने के बाद से उनका बिजली बिल पूरी तरह शून्य हो गया है। श्री योगेन्द्र सिंह साहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना वास्तव में दूरदर्शी और आम जनता के लिए उपयोगी साबित हो रही है।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

इनोवा कार से 30 लाख का गांजा जब्त, तीन गिरफ्तार

गरियाबंद। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इनोवा कार से करीब 1 क्विंटल 90 किलो गांजा पकड़ा है। यह गांजा उड़ीसा से गरियाबंद होते हुए जबलपुर मध्यप्रदेश ले जाया जा रहा था। इस प्रकरण में तीन आरोपियों में एक युवती भी शामिल है। वहीं इनोवा समेत दो कार भी जप्त की गई है। बता दें कि, मुखबिर की सूचना पर छुआ से लगातार पीछा करते हुए मालगांव इलाके में इनोवा समेत दो कार को पुलिस वाहन सीपीआर से ठोकर मारकर रोका गया। कार में सवार दो युवक और एक युवती को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार तस्करों ने बताया कि जबलपुर में गांजे की कीमत ज्यादा मिलने के कारण वे उड़ीसा से गांजा खरीदकर ले जा रहे थे। एसडीओपी निशा सिन्हा ने मौके पर पहुंचकर जांच की। उन्होंने कहा कि जिले में नशे के खिलाफ अभियान चल रहा है और आगे भी ऐसी कार्यवाही लगातार जारी रहेगी। पकड़े गए तस्करों के अलावा कुछ तस्कर फरार हैं उनकी भी खोज खबर ली जा रही है।

रायपुर सेंट्रल जेल से कैदी फरार

रायपुर। राजधानी रायपुर की सेंट्रल जेल से गुरुवार दोपहर दिनदहाड़े एक कैदी के फरार होने का मामला सामने आया है। फरार कैदी का नाम चंद्रवीर सिंह उर्फ पिंटू बताया जा रहा है, जो मथुरा (उत्तर प्रदेश) का रहने वाला है। वह एनडीपीएस एक्ट (नारकोटिक्स ड्रग्स एंड सायकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट) के तहत 15 साल का सश्रम कारावास काट रहा था। फरारी के बाद पुलिस और जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुरुवार दोपहर लगभग 12 बजे जेल प्रशासन की ओर से 5 कैदियों को काम के लिए जेल परिसर से बाहर भेजा गया था। इन्हीं कैदियों में चंद्रवीर उर्फ पिंटू भी शामिल था। इसी दौरान उसने मौजूद जेल प्रहरियों को चकमा दिया और फरार हो गया। फरारी के बाद पुलिस और जेल प्रशासन ने कैदी की तस्वीर सार्वजनिक कर दी है, ताकि उसकी पहचान कर उसे पकड़ने में आसानी हो। तस्वीर सामने आने के बाद पुलिस ने आसपास के इलाकों में पोस्टर और अलर्ट जारी कर दिया है। जानकारी के अनुसार, चंद्रवीर सिंह उर्फ पिंटू को नशीले पदार्थों की तस्करी के मामले में दोषी ठहराया गया था।

अदालत ने उसे 15 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। वर्तमान में वह रायपुर सेंट्रल जेल में सजा काट रहा था। कैदी के फरार होते ही रायपुर पुलिस और जेल प्रशासन ने संयुक्त रूप से तलाश अभियान शुरू कर दिया है। रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और शहर की अन्य सीमाओं पर नाकाबंदी कर चेकिंग की जा रही है। पुलिस को शक है कि आरोपी फरारी के बाद अपने गृह नगर मथुरा या आसपास के किसी इलाके की ओर भागने की कोशिश कर सकता है। सेंट्रल जेल से इस तरह दिनदहाड़े कैदी के फरार होने से जेल प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

नंदिनी के ज्वेलरी दुकानों में चोरी के चार आरोपी पकड़ाए, शटर तोड़कर ले गए थे जेवरात

श्रीकंचनपथ

भिलाई। नंदिनी थाना क्षेत्र के एक ज्वेलरी दुकान में चोरी करने वाले चार बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी भिलाई के छावनी क्षेत्र का है जो कि कुछ दिनों ने नंदिनी थाना क्षेत्र में रह रहा था। पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित कुल चार लोगों को गिरफ्तार उनके पास से 4 लाख के जेवर व 02 मोटरसायकल जब्त किया है। एन्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट एवं थाना नंदनी की संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपियों को धर दबोचा है।

बता दें 10-11 अगस्त 2025 के दरम्यानी रात ग्राम मेढेसरा थाना नंदनी के मां दुर्गा ज्वेलर्स में दुकान का शटर तोड़कर अंदर प्रवेश कर चांदी के जेवरात अज्ञात चोरो के द्वारा चोरी कर ले गये। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना नंदनी में धारा 331(3), 305 ए बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया। इसी प्रकार 16-17.08.2025 के दरम्यानी रात ग्राम कोड़िया थाना नंदनी के भावना ज्वेलर्स में दुकान का शटर तोड़कर अंदर प्रवेश कर चांदी के जेवरात अज्ञात चोरो के द्वारा चोरी कर ले गये। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना नंदनी में अपराध क्रमांक धारा 331(4), 305 ए बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया।

उक्त घटना को अत्यंत गंभीरता से लेते एसएसपी विजय अग्रवाल के द्वारा माल-मुलजिम की शीघ्र पतासाजी कर गिरफ्तारी के लिए दिशा निर्देश दिए गए। जिसके परिपालन में एसीसीयू एवं थाना नंदनी को तत्काल

पतासाजी के लिये लगाया गया। एसीसीयू एवं थाना नंदनी के टीम द्वारा तत्काल घटनास्थल का मुआयना कर अज्ञात आरोपियों के पता तलाश हेतु आसपास में लगे सीसीटीवी फूटेज का अवलोकन किया गया एवं सायबर टीम की मदद ली गई, मुखबिर लगाए गये। पतसाजी के दौरान छावनी का निगरानी बदमाश बादल सोनी किराये का मकान लेकर ग्राम बोडेगांव में रहने की जानकारी मिली।

पुलिस ने उसे घेराबंदी कर पकडा और पूछताछ करने पर अपने साथी सूरज कोसरे, नितिन झाडे एवं धनेश्वर साहू के साथ चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपियों ने बताया कि घटनास्थल की रेकी कर सीसीटीवी डिस्कनेक्ट कर शटर को सब्बल से उखाडकर वारदात को अंजाम दिया था। सभी आरोपीगण पहले भी चोरी के प्रकरण में जेल जा चुके हैं। संपूर्ण कार्यवाही में ई-साक्ष्य का प्रयोग किया गया। उपरोक्त आरोपियों के कब्जे से चोरी के 3 किलो चांदी के जेवरात कीमती करीबन 4,00000 लाख रुपए, दो मोटर सायकल एवं चोरी में प्रयुक्त सब्बल जब्त किया गया।

म्यूल अकाउंट से साइबर ठगी का खुलासा, 4 गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ

दुर्ग। साइबर अपराधों के खिलाफ छत्तीसगढ़ पुलिस की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। सुपेला थाना पुलिस ने म्यूल अकाउंट का इस्तेमाल कर ऑनलाइन ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए दो आरोपियों और दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में सचिन यादव (18 वर्ष) निवासी पंचमुखी हनुमान मंदिर कुरूद थाना जामुल जिला दुर्ग और राहुल निषाद (19 वर्ष) निवासी गोपाल नगर कुरूद थाना जामुल जिला दुर्ग शामिल हैं। सभी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

पुलिस को गृह मंत्रालय द्वारा संचालित समन्वय पोर्टल के माध्यम से म्यूल अकाउंट की जानकारी मिली थी। जांच के दौरान पता चला कि दुर्ग के नरेश कुपाल पिता कृष्णा कुपाल निवासी ढांचा भवन, जामुल ने बैंक ऑफ इंडिया शाखा सुपेला में अपना खाता खुलवाया था। उसने खाता खोलने के लिए अपने व्यक्तिगत पहचान दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड आदि प्रस्तुत किए थे। जांच में यह तथ्य सामने आया कि नरेश कुपाल को पूरी

जानकारी थी कि उसके खाते का उपयोग ऑनलाइन ठगी की रकम प्राप्त करने और अवैध वित्तीय लेन-देन के लिए किया जाएगा। इसी खाते में साइबर ठगी से जुड़ी रकम 1,19,098 जमा हुई थी। आरोपी ने इस रकम को अपने खाते में डालकर बेईमानी से अवैध धन अर्जित किया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 991/25 दर्ज किया। आरोपियों पर धारा 317(2), 318(4) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। पुलिस ने घेराबंदी कर दो आरोपियों और दो नाबालिगों को गिरफ्तार किया और फिर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया। पुलिस अधिकारियों का योगदान इस महत्वपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी सुपेला विजय यादव, उप निरीक्षक चितराम ठाकुर, प्रधान आरक्षक सुबोध पाण्डेय, आरक्षक सूर्य प्रताप सिंह, दुर्गेश सिंह राजपूत और मिथलेश साहू की भूमिका सराहनीय रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि साइबर अपराधी अक्सर म्यूल अकाउंट का इस्तेमाल करते हैं। यह ऐसे बैंक खातों को कहा जाता है, जिन्हें किसी और के नाम पर खोलकर ठगी की रकम ट्रांसफर की जाती है। खाता धारक अपनी जानकारी के साथ खाते को ठगी गिरोह को उपलब्ध कराता है और बदले में कमीशन पाता है।

चरित्र शंका: पति ने पत्नी पर किया हमला, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ

बलरामपुर। जिले के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। ग्राम पंचायत परेवा में एक पति ने चरित्र शंका के संदेह में अपनी ही पत्नी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। आरोपी ने छुरी सहित अन्य हथियारों से पत्नी की आंख और शरीर के कई हिस्सों पर वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

घटना के बाद महिला लहूलुहान हालत में वहीं बेहोश होकर गिर गई। आनन-फानन में परिजनों ने बीच-बचाव कर घायल महिला को शंकरगढ़ अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत को नाजुक बताते हुए प्राथमिक उपचार शुरू किया। महिला फिलहाल जिंदगी और मौत के बीच जूझ रही है। जानकारी के अनुसार, पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। हाल ही में विवाद के बाद महिला कुछ समय के लिए अपने घर से अलग होकर दूसरी जगह चली गई थी। इसी बात पर शक करते हुए पति ने गुस्से में आकर बेरहमी से पत्नी की पिटाई कर दी और उस पर छुरी से हमला कर दिया।

घटना की सूचना परिजनों ने पुलिस को दी। शंकरगढ़ थाना पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू की। पीड़िता के परिजनों की शिकायत पर आरोपी पति के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए कुछ ही घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है और मामले की गंभीरता को देखते हुए जल्द ही चार्जशीट कोर्ट में पेश की जाएगी। वहीं, इस घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई है। ग्रामीणों का कहना है कि पति-पत्नी के बीच विवाद ने हिंसक रूप ले लिया जिससे यह दर्दनाक वारदात सामने आई।

बालोद में एक रिटायर कर्मचारी से 12 लाख की ठगी, तीन ठग हुए गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ

बालोद। बालोद पुलिस ने एपीके फाइल भेज कर ठगी करने वाले गिरोह के तीन आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल की है। PM KISAN APK FILE भेज कर बीएसपी रिटायर बुजुर्ग से 12,13,860 रुपए का ठगी किए थे। साइबर सेल बालोद और डौण्डीलोहारा थाना पुलिस की टीम ने तीनो आरोपी को जमुई बिहार से गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक वेन्यू कार, विभिन्न डिजिटल बैंक खाता, कार्ड, 3 नग मोबाइल, एक नग लेपटॉप जप्त किया है। वहीं अन्य आरोपियों की तालाश जारी है।

पुलिस का माने तो डौण्डीलोहारा थाना क्षेत्र में बीएसपी से रिटायर एक कर्मचारी को उसके व्हाट्सएप में पीएम किसान एपीके फाइल भेज कर इसके माध्यम से मोबाइल को हैक किया गया और फिर उसके खाते से ऑनलाइन रकम डिजिटल ट्रांसफर कर धोखाधडी किया गया। पुलिस ने मामले की गंभीरता से लेते हुए टीम तैयार की और आरोपियों की पता साजी में जुट गई। जहां देखा गया कि, आरोपियों द्वारा प्रार्थी के मोबाइल पर व्हाट्सएप में PM KISHAN APK फाइल भेज उसका मोबाइल हैक किया

गया और उसके ही मोबाइल नंबर के सिम का क्लोन तैयार कर प्रार्थी के नाम हि ई सिम जनरेट कर लिया फिर नंबर पर ओटीपी लेकर फोन पे जनरेट कर अलग अलग यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन रकम डिजिटल ट्रांसफर किया गया। मामले में पुलिस ने तकनीकी जानकारी एकत्र की और आरोपियों की पुख्ता जानकारी होने पर विशेष टीम को जमुई बिहार रवाना किया गया। जहां घेरा बंदी कर टीम ने गिरोह के तीन आरोपियों को जमुई बिहार से विधिवत गिरफ्तार कर जिला बालोद लाया गया।

बताया गया कि आरोपियों द्वारा एक ग्रुप में एपीके फाईल को भेजा गया था, जिससे प्रार्थी के मोबाईल के व्हाट्सअप में आये एपीके फाइल को डाउनलोड करते हि उसका मोबाईल हैक कर लिया जाता है। इसके बाद उसके ही मोबाइल नंबर के सिम का क्लोन तैयार कर प्रार्थी के नाम का ही ई सिम जनरेट कर लिया गया फिर उसके नंबर पर ओटीपी लेकर फोन पे जनरेट कर रकम को अलग -अलग यूपीआई से आनलाईन ट्रांसफर कर कई लेयर में अपने बैंक खातो में डाल कर रकम एटीएम और चेक के माध्यम से निकाला जाता है। आरोपियों के कब्जे से एक कार, ऑनलाईन उपयोग में आने वाले विभिन्न डिजिटल बैंक खाता jio payment Bank, Judio card, Omni Card °ß´ PNB ATM Card तथा Motorola Mobile, Check Book, Pass Book एवं 03 नग मोबाइल, एक नग लेपटॉप जप्त किया गया है।

बेबदी गांव में डायरिया से पंडो महिला की मौत, चार अस्पताल में भर्ती

श्रीकंचनपथ

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में डायरिया ने एक बार फिर कहर ढा दिया है। जिले के वाड्रफनगर ब्लॉक के पंडो बहुल बेबदी गांव में एक ही परिवार के कई लोग डायरिया की चपेट में आ गए। शुक्रवार सुबह उल्टी-दस्त से पीड़ित 35 वर्षीय महिला लीलावती पति सूरजमल की मौत हो गई, जबकि चार अन्य परिजनों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना ने इलाके में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

परिवार के सदस्यों ने बताया कि लीलावती को गुरुवार से उल्टी-दस्त की शिकायत थी। शुरुआत में परिजन इसे सामान्य बीमारी मानते रहे, लेकिन रात में उसकी हालत गंभीर होती चली गई। लगातार उल्टी-दस्त के कारण उसके हाथ-पांव में खिंचाव आने लगा। शुक्रवार सुबह करीब 7 बजे उसने दम तोड़ दिया। महिला की अचानक मौत से गांव और परिजनों में शोक फैल गया। स्वास्थ्य अमला मौके पर पहुंचा मामले की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम बेबदी गांव पहुंची और प्रभावित परिवार की जांच शुरू की। टीम

ने चार लोगों को तत्काल अस्पताल भेजा। इनमें से जुगमनिया पति रामलाल (36 वर्ष) और बिफ्निया पति रामशरण (28 वर्ष) को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र वाड्रफनगर में भर्ती किया गया। अन्य दो पीड़ितों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बलंगी में दाखिल किया गया है। गांव में अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है ताकि डायरिया के फैलाव को रोका जा सके।

घटना की गंभीरता को देखते हुए बलरामपुर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) डॉ. बसंत सिंह स्वयं बेबदी गांव पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनकी स्थिति जानी और स्वास्थ्य अमले को तत्काल सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। डॉ. सिंह ने कहा कि डायरिया का प्रकोप फिलहाल एक ही परिवार तक सीमित है। यह जांच की जा रही है कि उन्होंने ऐसा क्या खाया जिससे सभी प्रभावित हो गए। पीड़ित परिवार और गांववासियों को फिलहाल उबला हुआ पानी पीने और स्वच्छता पर ध्यान देने की सलाह दी गई है। साथ ही, शनिवार से गांव में नियमित स्वास्थ्य शिविर लगाया जाएगा, जिसमें अन्य ग्रामीणों की जांच की जाएगी। यदि किसी और को उल्टी-दस्त की शिकायत मिली तो उसे तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भेजा जाएगा।

वाड्रफनगर का यह इलाका डायरिया के लिए बेहद संवेदनशील माना जाता है। करीब दो दशक पहले तक हर साल यहां बड़ी संख्या में लोग डायरिया की चपेट में आकर अपनी जान गंवाते थे। ग्रामीण क्षेत्र में पेयजल का अभाव और स्वच्छता की कमी इसके मुख्य कारण रहे। हालांकि बीते वर्षों में स्थितियों में सुधार आया है। अब लोग नाले और ढोढ़ी का पानी छोड़कर हैंडपंप का पानी पीने लगे हैं, जिससे बीमारी का खतरा कम हुआ है। बावजूद इसके, इस घटना ने फिर से स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मृतका के पति सूरजमल ने बताया कि परिवार के सदस्य 15 अगस्त से लगातार उल्टी-दस्त से जूझ रहे थे। शुरुआत में सबने इसे मौसमी बीमारी समझकर अनदेखा कर दिया। लेकिन हालत बिगड़ने के बाद जब लीलावती को बचाने का प्रयास किया गया, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। परिवार के अन्य सदस्य भी बीमारी से पीड़ित हैं। इलाज के लिए अस्पताल भेजे गए मरीजों की हालत स्थिर बताई जा रही है। हालांकि परिवार इस बात को लेकर बेहद चिंतित है कि बीमारी गांव के अन्य लोगों में न फैले।

CMHO ने स्वास्थ्य अमले को गांव में जाकर घर-घर सर्वे करने और साफ-सफाई के उपाय कराने के निर्देश दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग अब गांव में ओआरएस घोल और जिंक की गोलियां भी बांटेगा। डॉ. सिंह ने कहा कि ऐसे मामलों में सबसे जरूरी है कि लोग दूषित पानी न पिएं और खाने-पीने की चीजों को ढककर रखें। स्वास्थ्य टीम ने ग्रामीणों से अपील की है कि यदि किसी को उल्टी-दस्त की शिकायत हो तो तुरंत स्वास्थ्य केंद्र या कैंप में रिपोर्ट करें। गांव के लोगों में इस घटना के बाद डर का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के मौसम में अक्सर बीमारियां फैलती हैं, लेकिन इस बार एक ही परिवार के कई लोग अचानक बीमार हो गए। वे अब स्वास्थ्य विभाग से स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ग्रामीण अंचलों में डायरिया जैसी बीमारियों को रोकने के लिए शुद्ध पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता, और जनजागरूकता बेहद जरूरी है। जब तक लोग साफ पानी पीने और बुनियादी स्वच्छता नियमों का पालन नहीं करेंगे, तब तक डायरिया जैसी बीमारियां बार-बार सिर उठाती रहेंगी।

बेकाबू कार कार पलटी, मचा हड़कंप

रायपुर। राखी थाना क्षेत्र में नवा रायपुर स्थित इंद्रावती और महानदी भवन के बीच सड़क पर तेज रफ्तार से जा रही एक कार अचानक अनियंत्रित होकर औंधे मुंह पलट गई। हादसा इतना जोरदार था कि आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया और देखते ही देखते मौके पर भीड़ जुट गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार अचानक सड़क किनारे डिवाइडर से टकराई और पलटकर उलटी हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफ़रातफ़री का माहौल बन गया। कार में सवार लोगों की स्थिति को लेकर अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाई है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड राजेन्द्र पार्क चौक, दुर्ग (छ.ग.)
दूरभाष क्र. 0788-2323633, E-mail:eedurg-phe-cg@nic.in

// ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना //
(जोखिम एवं व्यय पर)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से लोक निर्माण विभाग छ.ग. शासन में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत "डी एवं उच्च" श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र "ए" में प्रतिशत दर पर दुर्ग जिले के विकासखंड धमधा के निम्नलिखित ग्राम में जल जीवन मिशन अंतर्गत रेट्रोफिटिंग योजनांतर्गत विभिन्न कार्य हेतु ऑनलाईन (online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्रमांक	नि.सू.क्र./ दिनांक	सिस्टम क्रमांक	विकासखंड	ग्राम का नाम	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
1	03/21.08.2025	172842	धमधा	मलपुरीकला	64.17

नोट :- उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबपोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in दिनांक 27.08.2025 से देखे जा सकते है तथा बिड सबमिशन की अंतिम तिथि दिनांक 09.09.2025 है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यंत्रिकी खण्ड,
दुर्ग (छ.ग.)

जी-252603001/4

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने प्रापर्टी एक्सपो का किया शुभारंभ

40 डेवलपर्स 300 से अधिक प्रोजेक्ट्स के साथ एक्सपो में कर रहे हिस्सेदारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में प्रापर्टी एक्सपो का शुभारंभ किया। उन्होंने एक्सपो में विभिन्न डेवलपर्स द्वारा लगाए गए स्टॉल्स का भ्रमण भी किया। क्रेडाई छत्तीसगढ़ द्वारा 22 अगस्त से 24 अगस्त तक इस तीन दिवसीय एक्सपो का आयोजन किया गया है। इसमें 40 डेवलपर्स 300 से अधिक प्रोजेक्ट्स के साथ हिस्सेदारी कर रहे हैं। विधायक पुरंदर मिश्रा और महापौर मीनल चौबे भी शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुईं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने एक्सपो का शुभारंभ करते हुए कहा कि पिछले 25 वर्षों में रायपुर की दशा और दिशा काफी बदली है। शहर का नक्शा बदल गया है। रायपुर वर्ल्ड क्लास सिटी के रूप में विकसित हो रहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष को अटल निर्माण वर्ष के रूप में मना रही है। इस दौरान यहां अधोसंरचना विकास के महत्वपूर्ण काम किए जाएंगे।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय राज्य में निवेश बढ़ाने के लिए लगातार पहल कर रहे हैं। राज्य शासन ने प्रभावी नई औद्योगिक नीति बनाई है जो यहां निवेश को लगातार आकर्षित कर रही है। राष्ट्रीय स्तर की संस्थाएं रायपुर आ रही हैं। श्री साव ने क्रेडाई द्वारा आयोजित प्रापर्टी एक्सपो की सराहना करते हुए कहा कि यहां एक ही छत के नीचे अलग-अलग परिवारों की जरूरतों के मुताबिक प्रापर्टी उपलब्ध हैं। लोगों की सहूलियत के लिए डेवलपर्स के बैंकिंग पार्टनर और रेरा की टीम भी यहां मौजूद है।

विधायक पुरंदर मिश्रा ने एक्सपो के लिए आयोजकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि आप लोग लोगों की जरूरतों के मुताबिक मकानों की व्यवस्था कर सम्मानजनक ढंग से रहने की व्यवस्था करते हैं। इसी कड़ी में यह आयोजन भी उपयोगी है। महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा कि अवैध प्लॉटिंग और अवैध निर्माण रायपुर की बड़ी समस्या है। यह एक्सपो लोगों को रेरा अप्रूव्ड वैध प्रापर्टी खरीदने का अच्छा प्लेटफॉर्म उपलब्ध करा रहा है। राजधानी के अनुरूप रायपुर का चौतरफा विकास हो रहा है। इसे हम हर लिहाज से रहने के लिए अच्छा शहर बनाने के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रहे हैं।

क्रेडाई छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष पंकज लाहोटी ने एक्सपो के शुभारंभ के अवसर पर कहा कि इस एक्सपो में आने वाले छत्तीसगढ़ की झलक है। निकट भविष्य में राज्य की तस्वीर तेजी से बदलने वाली है। इस एक्सपो में लोग सुलभता से प्रापर्टी खरीद सके, इसके लिए डेवलपर्स के बैंकिंग पार्टनर्स और रेरा को भी शामिल किया गया है। क्रेडाई के सचिव श्री अभिषेक बछावल ने रायपुर को स्वच्छ और सुंदर शहर बनाने के लिए नगर निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने अवैध प्लॉटिंग और निर्माण पर की जा रही कार्रवाईयों की भी तारीफकी। उन्होंने कार्यक्रम में विधायक श्री पुरंदर मिश्रा के अनुरोध पर 51 गरीब कन्याओं के विवाह में क्रेडाई के सहभागी बनने की घोषणा की। कार्यक्रम में क्रेडाई छत्तीसगढ़ के सर्वश्री संजय रहेजा, मृणाल गोलछा, नवनीत अग्रवाल, निखिल भगत, विजय नत्थानी, अमरजीत गांधी और संजना बघेल सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद थे।

एक पेड़ मां के नाम 2.0 पौधारोपण के लक्ष्य को साय सरकार ने किया पूराः वनमंत्री केदार कश्यप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वनमंत्री केदार कश्यप ने आज बस्तर के बेसोली स्थित शासकीय महाविद्यालय में आयोजित वन महोत्सव और फल उद्यान लोकार्पण कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। वनमंत्री कश्यप ने इस अवसर पर 'मौलश्री' का पौधा लगाकर बस्तर वन मंडल के वन महोत्सव का औपचारिक शुभारम्भ किया एवं वन मंत्री ने आम जनता से अपील की कि वे अपने घर, मोहल्ले और आसपास के क्षेत्रों में पौधारोपण कर इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान ग्राम चेराकुर के श्रीधर बघेल को राज मोहिनी देवी तेंदूपत्ता सामाजिक सुरक्षा बीमा योजना के तहत 2 लाख का चेक प्रदान किया।

वनमंत्री केदार कश्यप ने कहा कि वर्ष 1950 से देशभर में वन महोत्सव का आयोजन किया जाता रहा है, जिसका उद्देश्य वनों का संरक्षण, पौधारोपण को बढ़ावा देना और वृक्षों के प्रति जन जागरूकता फैलाना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में छत्तीसगढ़ में 2 करोड़ 76 लाख पौधरोपण का लक्ष्य तय किया था जिसे वन विभाग ने छत्तीसगढ़ के नागरिकों, स्व सहायता समूहों और महतारी वंदन योजना के हितग्राही महिलाओं के सहयोग से पूरा कर लिया है। लक्ष्य प्राप्ति के बाद भी विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ प्रदेश की हरियाली और सुंदरता को बनाये रखने के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्य लगातार जारी है।

उन्होंने कहा एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान के तहत पिछले दो महीनों में राज्य भर में बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण किया गया। इसमें केवल वन विभाग ही नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास विभाग, जीविका समूह, उद्यान विभाग, अन्य सरकारी संस्थान, गैर-सरकारी संगठन और सामाजिक क्लब भी शामिल हुए। ऐसे सभी लोगों का हृदय से आभार।

उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय कैंपस के पाँच एकड़ क्षेत्र में लगभग 775 फ्लदार एवं अन्य पौधों का रोपण किया गया है। जिसमें आम 180, जामुन 175,अमरुद 175, कटहल 75, सीताफ्ल 75, फ्लावरिंग 95 इसके साथ रामफ्ल, लक्ष्मण फ्ल, हनुमान फ्ल, रूद्राक्ष, लक्ष्मी तरु, बेल इस तरह कुल अलग अलग किस्म के 775 पौधे रोपे गए हैं.

वन महोत्सव में वनमंत्री केदार कश्यप ने तेन्दूपत्ता संग्राहक महिला हितग्राहियों को चरण पादुका का वितरण किया। वनमंत्री श्री कश्यप ने बताया कि पूर्ववर्ती सरकार में न तेन्दूपत्ते का खरीदी हुआ बल्कि चरण पादुका जैसे महत्वपूर्ण योजना जो सीधा हमारे आदिवासी भाई बहनों के हित से जुड़ा था ऐसी हितग्राही मूलक योजना को बंद कर दिया गया था।

उन्होंने कहा आज मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की सरकार ने यह योजना फ्रि से शुरू की है। बस्तर संभाग में अब तक पूरे प्रदेश में लगभग 2 लाख से अधिक चरण पादुका का वितरण किया जा चुका है।

इस अवसर पर पूर्व सांसद दिनेश कश्यप, वेद प्रकाश पाण्डेय, निर्देश दीवान, शकुंतला कश्यप सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

वन मंत्री कश्यप ने पौधा रोपित कर किया 'वूमन फॉर ट्री' अभियान का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने जगदलपुर शहर के लोकमान्य तिलक वार्ड में पौधरोपित कर अमृत योजना के तहत 'वूमन फॉर ट्री' अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर विधायक जगदलपुर किरण देव, महापौर संजय पाण्डे सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने भी पौधरोपण किया।

उल्लेखनीय है कि यह अभियान जगदलपुर शहर के तीन अलग-अलग वार्डों में चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत लोकमान्य तिलक वार्ड में मंत्री श्री केदार कश्यप ने एक पौधरोपित कर अभियान का शुभारंभ किया। प्रवीर वार्ड में इंद्रावती नदी पर बने पुराने पुल के पास और महाराणा प्रताप वार्ड में पुराने डंपिंग साइट पर 300-300 पौधे लगाए जाएंगे, जिससे कुल 900 नए पौधे रोपित होंगे। इस पहल का एक विशेष पहलू यह है कि इन पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी तीन महिला स्व-सहायता समूहों को दी गई है। यह कदम महिलाओं को सशक्त बनाने और पर्यावरण संरक्षण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

मंत्री कश्यप ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उन्हें रोपित कर देखरेख करना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी कहा कि इस अभियान से न केवल शहर की सुंदरता बढ़ेगी और यह जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में भी सहायक होगा।

यह अभियान जगदलपुर को एक हरित और स्वस्थ शहर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम में प्रशानिक अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक भी मौजूद थे, जिन्होंने इस पहल का स्वागत किया और इसमें सक्रिय रूप से भाग लिया।

उज्बेकिस्तान के वैज्ञानिकों ने कृषि मंत्री रामविचार नेताम से की मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उज्बेकिस्तान के डेनाऊ इंस्टीट्यूट ऑफइंटरप्रेन्योरशिप एंड पेडागॉजी के रेक्टर प्रो. ओयबेक आब्दीमुमीनोविच रोज़िव सहित अध्ययन दल के प्रतिनिधि मंडल ने आज कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी मंत्री रामविचार नेताम से अटल नगर, नवा रायपुर स्थित उनके शासकीय निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की।

मंत्री नेताम ने उज्बेकिस्तान के कृषि वैज्ञानिकों का छत्तीसगढ़ के पावन धरती में आने पर आत्मीय स्वागत किया। इस मौके पर प्रो. ओयबेक रोज़िव ने बताया कि हिन्दुस्तान और ताशकंद का तीन हजार वर्ष पुराना संबंध है। उन्होंने बताया कि ताशकंद उज्बेकिस्तान की राजधानी और सबसे बड़ा शहर है। यह मध्य एशिया में स्थित है और अपनी आधुनिक वास्तुकला, चौड़ी सड़कों और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत तथा बेहतर जैव प्रौद्योगिकी के लिए जाना जाता है।

प्रो. रोजिव ने मंत्री नेताम को बताया कि वे अध्ययन भ्रमण में छत्तीसगढ़ आए हैं। उन्हें यहां धान की विलक्षण जैव विविधता एवं उत्पादन तकनीक ने गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि उनके संस्थान ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के साथ कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान सहयोग हेतु समझौता किया है।

प्रो. रोज़िव ने बताया कि उज्बेकिस्तान में भी मछली पालन एवं पशुपालन के क्षेत्र में काफी अच्छे काम हुए है। वह भी अवलोकन योग्य है। उन्होंने बताया कि उनके संस्थान में 4 संकाय, 14 विभाग एवं 34 पाठ्यक्रम संचालित होते हैं जिनमें लगभग 8 हजार विद्यार्थी अध्ययनरत हैं तथा 7 देशों के साथ अनुसंधान सहयोग किया जा रहा है। उन्होंने कृषि मंत्री राम विचार नेताम को उज्बेकिस्तान आने आमंत्रित किया। मंत्री नेताम ने कहा कि निश्चित ही कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान के लिए हुए समझौते से छत्तीसगढ़ और उज्बेकिस्तान के विद्यार्थीयों को उच्च शिक्षा में काफी मदद मिलेगी। साथ ही किसानों को भी नई तकनीकों एवं शोध से काफी फायदा होगा। मंत्री श्री नेताम ने प्रो. रोजिव के निमंत्रण पर जल्द ही उज्बेकिस्तान आने की बात कही।

गौरतलब है कि प्रो. रोज़िव गुरूवार को रायपुर में आयोजित कृषि में अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा एवं अनुसंधान सहयोग विषयक संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर एवं डेनाऊ इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरप्रेन्योरशिप एंड पेडागॉजी उज्बेकिस्तान के मध्य दोनों शिक्षा एवं अनुसंधान में सहयोग हेतु एमओयू पत्रों का आदान-प्रदान हुआ। समझौते के तहत कृषि, पर्यावरण, जल संरक्षण, सुगंध एवं औषधीय पौधों का उत्पादन, खाद्य प्रसंस्करण, जैव प्रौद्योगिकी और उद्यमिता विकास जैसे क्षेत्रों में संयुक्त अनुसंधान कार्य किए जाएंगे। इससे इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान के अवसर प्राप्त होंगे। इस मौके पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल उपस्थित थे।

उद्योग मंत्री लखनलाल ने स्लम बस्ती को दी 55 लाख रूपए के विकास कार्यों की सौगात

05 विकास कार्यों का भूमिपूजन कर तत्काल निर्माण कार्य प्रारंभ करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के वाणिज्य उद्योग, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने आज कोरबा के दर्री क्षेत्र की स्लम बस्ती को 55 लाख रूपये के विकास कार्यो की सौगात प्रदान की। वार्ड क्र. 60 श्रम नगर प्रगति नगर में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उन्होने 05 महत्वपूर्ण विकास कार्यो का भूमिपूजन किया तथा सोमवार से ही इन निर्माण कार्यो को प्रारंभ करने एवं पूरी गुणवत्ता के साथ कार्य करते हुए समयसीमा में कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश अधिकारियो को दिए। इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर संजूदेवी राजपूत द्वारा की गई, वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में सभापति नूतन सिंह ठाकुर, जिलाध्यक्ष गोपाल मोदी, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन सहित निगम के एम.आई.सी.के सदस्य, पार्षदगणों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान की।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा दर्री जोनांतर्गत वार्ड क्र. 60 श्रम नगर में डॉ.कश्यप घर से भूषण मेहर घर तक 11 लाख 50 हजार रूपये की लागत से आर.सी.सी. रोड, नाली का निर्माण, इसी वार्ड के श्रम नगर में ही योगेश बरेठ घर से रमेश नवरंग घर तक 11 लाख 80 हजार रूपये की लागत से आर.सी.सी. रोड नाली निर्माण, इसी वार्ड श्रम नगर

में ही तारंग घर से प्रभू सतनामी घर तक 09 लाख 50 हजार रूपये की लागत से आर.सी.सी. रोड नाली निर्माण, इसी वार्ड के श्रम नगर बस्ती में ही पप्पू सतनामी घर से प्रजापति घर तक 07 लाख 20 हजार रूपये की लागत से आर.सी.सी. रोड नाली निर्माण का कार्य कराया जाना हैं। इसी प्रकार वार्ड क्र. 48 मेन रोड दर्री दशहरा मैदान सामुदायिक भवन के पास 15 लाख रूपये की लागत से शेड निर्माण का कार्य होना हैं। आज वार्ड क्र. 60 श्रम नगर में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में अपनी गरिमामयी उपस्थिति प्रदान करते हुए उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने इन सभी विकास कार्यो का भूमिपूजन किया।

इस मौके पर काफी संख्या में उपस्थित बस्तीवासियों को संबोधित करते हुए उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने अपने भावपूर्ण उद्बोधन में कहा कि मैं सदैव निगम क्षेत्र की जनताजनार्दन व आप सभी के सुख-दुख का साथी रहा हूँ, तथा आगे भी रहूँगा। आपकी हर समस्या के निराकरण के लिए, आपको सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए, मैं कृत संकल्पित हूँ। उन्होने आगे कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान जब मैं इस बस्ती में आया था तो आप सबने इन विकास कार्यो की मांग की थी, मुझे खुशी है कि आपकी बहुप्रतीक्षित मांगे आज पूरी कर दी गई हैं। इस मौके पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने बस्ती में शेष सड़क, नाली निर्माण हेतु 15 लाख रूपये की घोषणा के साथ ही कहा कि दर्री मंदिर के सामने 25 लाख रूपये की लागत से भव्य डोम का निर्माण भी किया जाएगा। मंत्री देवांगन ने अपने उद्बोधन में आगे कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आशीर्वाद से कोरबा में विकास कार्यो हेतु धनराशि की कोई कमी नहीं होगी तथा आप जनताजनार्दन की इच्छा, मांग व आवश्यकता के अनुसार सभी विकास कार्य होंगे।

इस अवसर पर महापौर संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि उद्योग मंत्री देवांगन कोरबा के विकास के लिए सदैव समर्पित रहें हैं, जब वे कोरबा के महापौर थे, तो उन्होने एक विकास पुरूष की भूमिका का निर्वहन कर निगम क्षेत्र में ऐतिहासिक रूप से विकास कार्य कराए थे, जिसे आज भी याद किया जाता है।

उन्होने कहा कि सहज, सरल स्वभाव के धनी, उद्योग मंत्री देवांगन का कोरबा की जनता से आत्मिक लगाव है तथा वे सदैव लोगों की समस्याओं के निराकरण के लिए तत्पर रहते हैं। भूमिपूजन कार्यक्रम में सभापति नूतन सिंह ठाकुर, वरिष्ठ पार्षद नरेन्द्र देवांगन के साथ ही एम.आई.सी. सदस्य अजय कुमार चन्द्रा, सरोज शांडिल्य, पार्षद राधा बाई महंत, कल्याणी बाई यादव, फ्रितराम साहू, मुकुंद सिंह कंवर, जिला उपाध्यक्ष प्रफुल्ल तिवारी, दर्री मण्डल अध्यक्ष मनोज लहरे, सहित बड़ी संख्या में बस्तीवासी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950